MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-04 ❖ अंक-19 ❖ मुंबई ❖ रविवार 30 अप्रैल से 06 मई 2023 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2021-2023

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

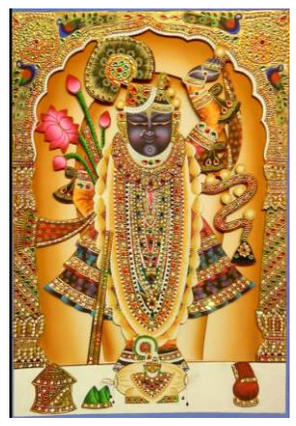

पेज 3

महाराष्ट्र में कौन सी रोटी पलटने की बात कर रहे हैं शरद पवार ?

पेज 5

गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी के निर्देशक जेम्स गन, जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहते हैं। गन कहते हैं कि वे अमेजिंग और कूल हैं!

पेज 7

दाग के 50 साल पूरे होने पर शर्मिला टैगोर बोलीं, 'यश चोपड़ा के पहले वेंचर की शुरुआत का हिस्सा बनना सम्मान की बात थी'

पेज 8

श्रीलंका में भारतीय सिनेमा पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

एक नजर

बीबीसी अध्यक्ष रिचर्ड शार्प ने दिया इस्तीफा

लंदन। बीबीसी के प्रमुख रिचर्ड शार्प ने पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को ऋण की सुविधा दिलाने में अपनी भागीदारी का ठीक से खुलासा नहीं करने को लेकर आई एक रिपोर्ट के बाद शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया। ब्रिटेन के करदाताओं के पैसे से वित्तपोषित ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) के अध्यक्ष 67 वर्षीय पूर्व बैंकर ने कहा कि जांच में पाया गया है कि उन्होंने सरकारी नियुक्तियों के लिए शासन संबंधी संहिता का उल्लंघन किया था।

सुखबीर बादल को सुप्रीम कोर्ट से राहत

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के दोहरे संविधान को लेकर पार्टी के दिवंगत संरक्षक प्रकाश सिंह बादल और उनके बेटे सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ चल रहे विवाद के संबंध में धोखाधड़ी और जालसाजी की कार्यवाही को रद्द कर दिया। पांच बार पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री रहे प्रकाश सिंह बादल का मंगलवार को मोहाली के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 95 वर्ष के थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 अप्रैल को बादलों और दलजीत सिंह चीमा की उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसमें पंजाब के होशियारपुर कोर्ट में उनके खिलाफ दर्ज जालसाजी और धोखाधड़ी के कथित मामले में लंबित कार्यवाही को चुनौती दी गई थी।

भाजपा में शामिल हुए पूर्व जद (यू) प्रवक्ता

नई दिल्ली। जनता दल (यू) के पूर्व प्रवक्ता अजय आलोक शुक्रवार को भाजपा में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, राज्यसभा सदस्य अनिल बलूनी और अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में आलोक ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जदयू से राजनीतिक सफर की शुरुआत करने वाले अजय आलोक को पिछले साल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मतभेद के बाद पार्टी से निकाल दिया गया था।'

महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात ने ली 10 लोगों की जान !

महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात और ओले गिरने की घटनाओं ने कहर ढा दिया है. मराठवाड़ा रीजन में 10 लोगों की मौत हो गई है. साढ़े ग्यारह सौ से बारह सौ के करीब मुर्गे-मुर्गियों की मौत हो गई है. बड़े पैमाने पर फसलें और फलों के बागान तबाह हो गए हैं. अगले पांच दिनों के लिए भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने अगले पांच दिनों के लिए राज्य के अलग-अलग जिलों में बेमौसम बरसात होने का 'ऑरेंज अलर्ट' और 'येलो अलर्ट' जारी किया है. आज (29 अप्रैल, शनिवार) पुणे जिला और विदर्भ के जिलों में मूसलाधार बरसात का अनुमान है. मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों में बरसात, ओलावृष्टि, बिजलियां गिरने से करीब 150 से 160 गांवों में तबाही मची हुई है. बिजलियां गिरने से दस लोगों की मौत हुई है, जिनमें नांदेड़ के छह, परभणी के 3 और बीड के 1 व्यक्ति शामिल हैं. आठ हजार हेक्टेयर तक की जमीन में फसल और फलों के बाग बर्बाद हो गए हैं. डेढ़ सौ के करीब जानवर, साढ़े ग्यारह सौ से बारह सौ के करीब मुर्गे-मुर्गियों की मौत हुई है. 50 से 60 घरों को नुकसान पहुंचा है.

अब महाराष्ट्र दिन से इनको मेट्रो में मिलेगी 25 पर्सेंट की छूट

एकनाथ शिंदे सरकार का बड़ा निर्णय

मुंबईः महाराष्ट्र दिवस के मौके पर एकनाथ शिंदे सरकार ने नागरिकों को एक तोहफा दिया है। जिसके मुताबिक अब वरिष्ठ नागरिक, विकलांग और स्टूडेंट्स को रियायती दरों (25 प्रतिशत की छूट के साथ) पर मुंबई मेट्रो में यात्रा करने का मौका मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार के मुताबिक मुंबई 1 नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड का इस्तेमाल करने वाले इस श्रेणी के हजारों यात्रियों को यह छूट मिलेगी। इसके पहले महाराष्ट्र सरकार ने महिलाओं को बस यात्रा में 50 फीसदी की छूट दी थी। महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड और एमएमआरडीए की तरफ से महाराष्ट्र दिवस पर यह एक उपहार होगा। वरिष्ठ नागरिकों, छात्रों और विकलांग यात्रियों को यह छूट मुंबई-1 पास पर 45 ट्रिप या 60 ट्रिप के लिए मिलेगी।

इस संबंध में बोलते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमने वरिष्ठ नागरिकों, विकलांगों और बच्चों की जरूरतों और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मुंबई मेट्रो नेटवर्क तैयार किया है। इसलिए उन्हें इन सुविधाओं का अधिक से अधिक लाभ मिलना चाहिए। इससे पहले हमने वरिष्ठ नागरिकों के लिए एसटी यात्रा मुफ्त की है और महिलाओं को भी एसटी बसों में 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। हमने यह फैसला सामाजिक भावना से लिया है और मुझे उम्मीद है कि इस रियायत के साथ और लोग मेट्रो से सफर करेंगे। सरकार द्वारा महिलाओं के लिए बस यात्रा में 50% की छूट लेने से लाखों महिलाओं को लाभ हुआ है। बस में महिलाओं की भीड़ नजर आ रही है।

इनको मिलेगी सुविधा

यह सुविधा 65 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों, 12वीं कक्षा तक पढ़ने वाले छात्रों और स्थायी विकलांग लोगों के लिए है। इन तीन कैटेगरी के यात्रियों को रियायत के लिए कुछ दस्तावेज जमा करने होंगे। विकलांगों के लिए सरकारी/चिकित्सा संगठन प्रमाण पत्र, वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयु प्रमाण पत्र और छात्रों के लिए पैन (छात्र या माता-पिता का पैन) के साथ स्कूल पहचान पत्र जैसे वैध दस्तावेज आवश्यक हैं।

मलाड स्टेशन के सामने का एम एम मिठाई वाला दुकान सहित 19 दुकानों को मनपा ने किया जमींदोज

मुंबई। मनपा पी नार्थ वार्ड ने शुक्रवार को मलाड पश्चिम में स्टेशन के सामने की एम एम मिठाई वाला की दुकान सहित अन्य 19 दुकानों को जमींदोज कर दिया। मनपा ने यह कार्रवाई इस परिसर में ट्रैफिक की होनी समस्या को देखते हुए सड़क को चौड़ा करने के लिए कार्रवाई की गई। मनपा 9 मीटर रोड को 13,4 मीटर का रोड बनाने का निर्णय लिया है। मनपा पी नार्थ के सहायक आयुक्त किरण दिघावकर ने जानकारी दी कि मलाड पश्चिम आर्टिफिशियल ज्वेलरी ,फिश मार्केट और अन्य प्रकार की कई दुकानें है।मलाड स्टेशन से रोजाना 1 लाख 20 हजार लोगों का आवागमन होता है।स्टेशन के बाहर ही एम एम मिठाई वाला सहित दिल्ली स्वीट्स और जलपान स्नैक्स आदि दुकानें है।इन दुकानों ने सड़क चौड़ा करने में बाधा बनी हुई थी।इन दुकानों को हटाने के लिए कई बार मनपा द्वारा नोटिस दी गई थी।लेकिन कार्रवाई नहीं हो पा रही थी। मनपा सहायक आयुक्त ने कहा कि सड़क चौड़ा करने में बाधा बनी अन्य 199 स्ट्रक्चर्स को भी उन्हे मुआवजा देकर हटाया जाएगा। दिघावकर ने कहा कि आनंद रोड पर की जाने वाली मनपा की तोड़क कार्रवाई चरणों में आगे भी चलती रहेगी।उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर को लोगो के चलने के लिए उपलब्ध कराना बहुत जरूरी था जिसके चलते जिन लोगो की दुकानें बाधा बन रही है उन्हे अगर वह नियमित होंगी तो उन्हे मुआवजा देकर हटाया जाएगा। लेकिन स्टेशन का परिसर आम जनता को चलने के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।दुकानदारों ने सिविल कोर्ट का भी दरवाजा खटखटाया था लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया।मलाड के स्थानीय लोगो द्वारा सड़को को आम जनता के लिए उपलब्ध कराने की मांग काफी दिन से चल रही थी।

भिवंडी में तीन मंजिला इमारत गिरने से एक की मौत, 20 मलबे में फंसे

भिवंडी: मुंबई से सटे भिवंडी शहर में एक तीन मंजिला इमारत के अचानक गिर जाने की वजह से मलबे में 20 लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। यह घटना भिवंडी के वलपाड़ा इलाके की है। फ़िलहाल घटना स्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। 9 को बचा लिया गया है जिनमें से एक की मौत हो गई। यह ग्राउंड प्लस टू की इमारत है। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय पुलिस के दमकल विभाग और एनडीआरएफ की टीम मौके के लिए रवाना हुई। महाराष्ट्र के पंचायती राज मंत्री कपिल पाटिल ने बताया, 'करीब 20 लोग मलबे में फंसे हैं। 9 को बचा लिया गया जिनमें से 8 का इलाज जारी है। जबकि एक की मौत हो गई है। रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है।' प्राथमिक जानकारी के मुताबिक इस इमारत में तीन से चार परिवार रहते थे। घटनास्थल पर एंबुलेंस मौजूद है। घायलों को मलबे से बाहर निकालने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा है। फिलहाल इस घटना में किसी के मौत की खबर नहीं हैं। यह घटना दोपहर पौने दो बजे के आसपास की है।

महाराष्ट्र के नासिक से पड़ेगी महाविकास अघाड़ी में फूट? उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी के छगन भुजबल में ठनी

मुंबईः एक तरफ शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत कोशिश कर रहे हैं कि महाविकास अघाड़ी आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़े। दूसरी तरफ नासिक जिले में ही महाविकास अघाड़ी में बगावत का बिगुल बजता हुआ नजर आ रहा है। दिलचस्प बात यह है कि उद्धव गुट के उत्तर महाराष्ट्र के संपर्क प्रमुख और नासिक जिले में कई बार दौरे कर चुके संजय राउत की ही पार्टी के एक विधायक ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू की है। दरअसल छगन भुजबल और नरेंद्र दराडे के बीच बाजार समिति चुनाव को लेकर जमकर टकराव हुआ था। इस दौरान छगन भुजबल ने दराडे बंधुओं को उनके खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। विधायक नरेंद्र दराडे ने यह चुनौती स्वीकार की है। जिसके बाद माना जा रहा है कि नासिक में एमवीए के बीच दरार पड़ सकती है।

कौन हैं छगन भुजबल? छगन भुजबल को एनसीपी के एक कद्दावर नेता के रूप में जाना जाता है। वह लगातार चार बार नासिक के येवला निर्वाचन क्षेत्र से विधायक चुने गए हैं।

छगन भुजबल राज्य में उप मुख्यमंत्री, गृह मंत्री, लोक निर्माण मंत्री सहित कई महत्वपूर्ण मंत्री पद संभाल चुके हैं। भुजबल को येवला निर्वाचन क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन लाने का श्रेय दिया जाता है।

वहीं विधायक नरेंद्र दराडे ने विधान परिषद में कड़े मुकाबले में जीत हासिल की। उसके बाद विधायक नरेंद्र दराडे ने अपने भाई किशोर दराडे को भी विधायक बनने में मदद की थी।

दराडे, जिनके पास शैक्षणिक संस्थान हैं और जिले में उनकी एक बड़ी मौजूदगी है। शिवसेना में हुए बगावत के बाद भी वह उद्धव ठाकरे के साथ बने रहे।

महाराष्ट्र में एनसीपी में मुख्यमंत्री बनने की लगी होड़

अजित पवार के बाद अब जयंती पाटिल का भी नाम

मुंबईः महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए जितने विधायकों की दरकार है, एनसीपी के पास वे दूर-दूर तक नहीं हैं। फिर भी एनसीपी में मुख्यमंत्री बनने की होड़ लग गई है। अजित पवार और जयंत पाटिल के नाम मुख्यमंत्री के लिए उछाले जा रहे हैं। कई जगह पोस्टर लगाकर नारेबाजी की जा रही है। इससे पार्टी दो फांक हो गई है। एनसीपी के पदाधिकारी आए दिन अजित पवार को मुख्यमंत्री बनाने वाले बयान देते रहते हैं। कुछ दिनों से यह लगातार चल रहा है। यह बात एनसीपी के कुछ दिग्गज नेताओं का रास नहीं आई। ऐसे में कुछ लोगों ने एनसीपी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल का नाम भी उछाला है। गत दिनों इस संबंध में बाकायदा बैनर-पोस्टर भी लगाए गए। पाटील का नाम चलाने वाले लोग अजित पवार की आंखों में चुभ रहे हैं।

इससे पार्टी के अंदर ही तनातनी की स्थिति है। बताया जा रहा है कि जयंत पाटिल का नाम एनसीपी प्रमुख शरद पवार के इशारे पर उछाला गया, वर्ना तो अजित पवार के सामने किसी की क्या हिम्मत थी। जयंत पाटील का नाम सामने आने के बाद अजित पवार को भावी मुख्यमंत्री बनाने की मुहिम में उनके समर्थक पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। एनसीपी विधायक अमोल मिटकरी ने कहा है कि आज के हालात में महाराष्ट्र की राजनीति संभालने में अजित पवार से बेहतर नेता कोई और नहीं। खुद बीजेपी के दिग्गज नेता व देश के गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह कबूल किया है। दोनों गुट आमने-सामने

एनसीपी विधायक अमोल मिटकरी ने बीड में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि अजित पवार का मुख्यमंत्री बनना तय है। बस समय का इंतजार कीजिए। दूसरी तरफ अभिनेता और एनसीपी नेता अमोल कोल्हे ने सांगली में कहा है कि महाराष्ट्र जयंत पाटिल जैसे सुसंस्कृत, सुशिक्षित और सभ्य नेता के मुख्यमंत्री बनने की राह देख रहा है। मतलब पिक्चर साफ है कि मुख्यमंत्री पद को लेकर एनसीपी में दो फांक है।

अजित ने व्यक्त की नाराजगी

मुख्यमंत्री बनाने के समर्थन में बैनर-पोस्टर लगाने वालों की अजित पवार ने जमकर खबर ली। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निर्देश दिया कि इस तरह से उनके समर्थन में बैनर-पोस्टर कतई नहीं लगाएं और न ही ऐसी कोई नारेबाजी करें। बेहतर होगा कि लोग जनता की सेवा में लग जाएं। जैसा वक्त आएगा, वैसा होगा।

उद्धव ठाकरे अस्पताल में भर्ती थे और आदित्य ठाकरे मुख्यमंत्री बनने की मीटिंग कर रहे थे, नीतेश राणे का दावा

मुंबईः उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत आए दिन एकनाथ शिंदे के गुट के साथ बीजेपी पर हमले करते हैं। अब बीजेपी ने उन्हें जवाब देना शुरू कर दिया है। केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे और बीजेपी विधायक नीतेश राणे ने संजय राउत पर जोरदार हमला बोला है। मीडिया से बातचीत के दौरान नितेश राणे ने बड़ा दावा किया है। यह दावा नितेश राणे ने मुख्यमंत्री पद को लेकर चौंकाने वाला दावा किया है। नीतेश राणे ने पहले 'सामना' अखबार के जरिए कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना का समर्थन पर संजय राउत को आड़े हाथों लिया है। नीतेश राणे ने कहा कि संजय राउत को दूसरों द्वारा की गई आलोचना पर संपादकीय लिखना बंद कर देना चाहिए। अब उन्हें आदित्य ठाकरे की शादी के बारे में एक संपादकीय लिखना चाहिए। इसी दौरान नीतेश राणे ने कहा कि जब उद्धव ठाकरे गर्दन की सर्जरी के बाद अस्पताल में भर्ती थे। तब आदित्य ठाकरे और उनके दोस्त वरुण सरदेसाई का गिरोह दावोस में मौज मस्ती कर रहा था। इतना ही नहीं साथ ही आदित्य ठाकरे यह कहकर खुद मुख्यमंत्री बनने की कोशिश कर रहे थे कि अब उद्धव ठाकरे की सेहत में सुधार नहीं होगा। लेकिन कांग्रेस और एनसीपी के विरोध के कारण यह प्लान फेल गया था। नितेश राणे ने कहा कि मैं जसलोक अस्पताल के जिस कमरे में यह बैठक हुई थी। मैं उसके सीसीटीवी फुटेज भी दिखा सकता हूं। राणे ने यह भी कहा कि अपने पिता के बीमार होने पर मुख्यमंत्री बनने का सपना देखने वाले आदित्य ठाकरे के बारे में जानकारी सच है या झूठ। संजय राउत को यह स्पष्ट करना चाहिए। इस मुद्दे पर उद्धव ठाकरे गुट के प्रवक्ता आनंद दुबे ने नवभारत टाइम्स ऑनलाइन से कहा कि हमारी पार्टी और नेता नीतेश राणे को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इसलिए उनकी बातों पर प्रतिक्रिया देने का कोई अर्थ नहीं बनता है।

सही कदम

भारत सरकार ने आखिर सोमवार को सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू कर दिया। हालांकि इस अफ्रीकी देश में सत्ता पर कब्जे के लिए दो परस्पर विरोधी सैन्य गुटों में हिंसा शुरू होने के बाद से ही भारत सरकार वहां भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयासों में लगी हुई थी। हालात इतने जटिल थे कि पर्याप्त ग्राउंड वर्क के बगैर इस तरह का अभियान शुरू नहीं किया जा सकता था। इसलिए जहां विदेश मंत्रालय सभी संबंधित पक्षों से बातचीत कर यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहा था कि भारत सरकार के ऐसे किसी ऑपरेशन को नुकसान न पहुंचाया जाए, वहीं

सूडान में फंसे भारतीयों से संपर्क कर उनके हालात की जानकारी लेते हुए उन्हें उचित सलाह भी दी जा रही थी। बहरहाल, ताजा सूचनाओं के मुताबिक करीब 500 भारतीय वहां के प्रमुख बंदरगाह पोर्ट सूडान पहुंच चुके हैं और कई अन्य पहुंचने वाले हैं। इन सबको वहां से निकालने की कवायद चल रही है। हालांकि सूडान में फंसे कुल भारतीयों की संख्या करीब 4000 बताई जा रही है। इसे देखते हुए 500 लोगों की संख्या बहुत कम है, लेकिन यह एक अच्छी शुरुआत जरूर कही जा सकती है। एक बार लोगों के सुरक्षित ढंग से पोर्ट सूडान पहुंचने और फिर वहां से उन्हें निकाले जाने की प्रक्रिया शुरू हो जाए तो फिर इसमें तेजी भी लाई जा सकती है। ध्यान रहे, संकट के ऐसे मौकों पर भारतीयों को सुरक्षित निकालने का भारत सरकार का पुराना रेकॉर्ड रहा है। पहले खाड़ी युद्ध (1990-91) के दौरान एयर इंडिया के विमानों के जरिए 1,60,000 लोग कुवैत से निकाले गए थे। हाल के वर्षों की बात करें तो यमन (2015), अफगानिस्तान (2021) और यूक्रेन (2022) के ऐसे अभियान भी खासे चर्चित रहे। बहरहाल, भारतीयों को सूडान से सुरक्षित निकालना समस्या का सिर्फ एक पहलू है। सूडान कई वजहों से हमारे लिए काफी अहमियत रखता है। वहां तेल क्षेत्र में भारत के महत्वपूर्ण आर्थिक हित हैं। वह भारत के लिए कच्चे तेल का प्रमुख सप्लायर भी है। ऐसे में अगर वहां जारी सत्ता संघर्ष जल्द काबू में नहीं आया तो यह देश लंबे समय की अस्थिरता में फंस सकता है, जिससे भारत की ऊर्जा सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। प्रत्यक्ष आर्थिक हितों के अलावा भी सूडान की यह हिंसा भारत के हितों को प्रभावित कर सकती है। अफ्रीका में शांति स्थापित करने के प्रयासों में भारत सक्रिय रूप से शामिल रहा है। ऐसे में यह हिंसा जारी रही तो भारत के उन प्रयासों की सार्थकता पर सवाल खड़े हो सकते हैं। यही नहीं, सूडान की सीमा इजिप्ट, इथियोपिया, लीबिया आदि देशों से लगती है। ये देश पहले से ही आंतरिक संघर्षों में उलझे हैं। ऐसे में इस पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा हो सकती है, जो किसी के हक में नहीं होगी। जरूरी है कि समय रहते इस संघर्ष को रोकने के प्रयास तेज किए जाएं।

चीन क्यों बदलना चाहता है अपनी छवि, अमेरिका के लिए कितना बड़ा खतरा है 'ड्रैगन'

अमेरिका-चीन संघर्ष का एक नया मोर्चा हाल ही में तब खुला, जब FBI ने कुछ ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया, जिन पर न्यू यॉर्क के मैनहटन के चाइनाटाउन इलाके में गुप्त तौर पर चीनी 'पुलिस स्टेशन' चलाने का आरोप था। पिछले महीने ही कनाडा ने भी कुछ जगहों पर जांच शुरू की थी, जहां से कथित तौर पर ऐसी ही गतिविधियां चलाई जा रही थीं। हालांकि, चीन ने ऐसे आरोपों से हमेशा इनकार किया है, लेकिन खबरें हैं कि 50 से अधिक देशों में ऐसे करीब 100 कथित पुलिस स्टेशन हैं, जो विदेश में रहने वाले चीनी राष्ट्रीयता के लोगों पर नजर रखते हैं। चीन इन्हें ऐसे सर्विस सेंटर के रूप में पेश करने की कोशिश करता है, जिनका मकसद चीनी राष्ट्रीयता के लोगों की सहायता करना है, लेकिन वास्तव में यह चीनी राज्य तंत्र की ओर से विदेशी जमीन पर अपना प्रभाव बढ़ाने का प्रयास है। यह चीन में बढ़ते इस विश्वास का प्रतीक है कि वह बिना रोक-टोक के अपना प्रभाव बढ़ाना जारी रख सकता है। कोविड बाद का दौर मैनहटन में यह गिरफ्तारी ऐसे वक्त हुई, जब चीन अपनी एक सौम्य राष्ट्र की छवि बना रहा है। ऐसे राष्ट्र की, जो वैश्विक समस्याओं को हल करने और झगड़ों को निपटाने में लगा हुआ है। बरसों से अपने संशोधनवादी अजेंडे पर दुनिया भर के देशों की लानत-मलामत झेलते पेइचिंग को इस बात का अच्छी तरह अहसास हो चुका है कि उसे अपनी सॉफ्ट छवि पेश करने की जरूरत है।

जब तमाम वैश्विक नेता कोविड बाद के दौर में चीन से संपर्क में आए तो उसके लिए संभावनाओं की एक नई खिड़की खुली। वह अब नए ढंग से अपनी मौजूदगी महसूस करा सकता था।

पिछले कुछ महीने चीन के लिए कूटनीतिक तौर पर असामान्य रूप से व्यस्त रहे। उसने कई नेताओं की मेजबानी की, यूरोप और मध्यपूर्व के क्षेत्रों तक पहुंचा। यही नहीं, यूक्रेन युद्ध और सऊदी अरब-ईरान विवाद में उसने खुद को शांति स्थापित करने वाले देश के रूप में पेश किया। 'वुल्फ वॉरियर' डिप्लोमेसी की जगह उसका ज्यादा संतुलित रुख नजर आने लगा। चीन ने दुनिया भर में लोगों को प्रभाव में लेने और दोस्त बनाने की कोशिश शुरू की।

वैश्विक पटल पर खुद की नई छवि गढ़ने की इन कोशिशों के पीछे कहीं न कहीं चीन की यह इच्छा काम कर रही थी कि उसे अमेरिका के एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में देखा जाए। सोच यह है कि अगर अमेरिका आंतरिक कारणों से मजबूर दिख रहा है और वैश्विक

मामलों में उसकी उदासीनता से जो शून्य पैदा हो रहा है, उसे भरने में चीन को देर नहीं करनी चाहिए। जहां कोविड के दौरान चीन अपनी घरेलू परेशानियों में उलझा नजर आ रहा था, वहीं कोविड के बाद के दौर में अपेक्षा यह होगी कि चीन वैश्विक पटल पर समस्याओं को दूर करने की कोशिश करता दिखे।

यह ऐसा दौर है, जब विश्व व्यवस्था में भी नेतृत्व के स्तर पर एक शून्य दिख रहा है। बड़ी ताकतों के रिश्तों में दरार आ है। वहीं, दुनिया भर में भू-राजनीतिक बदलाव तेज हुए हैं। दूसरी ओर, भू-आर्थिक संकट भी दिख रहे हैं। ऐसे में चीन खुद को एक भरोसेमंद वैश्विक मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। उसे पता है कि अगर उसने तेजी नहीं दिखाई तो भारत जैसे देश और मोदी जैसे नेता इस भूमिका में आगे निकल सकते हैं। कोविड के दौरान विकासशील देशों की मदद में तत्पर रहकर और 'ग्लोबल साउथ' को जी-20 अध्यक्षता के केंद्र में बनाए रखकर भारत ने असल में चीन की विकासशील देशों के नेता की स्वनिर्मित छवि को चुनौती दे दी है। वैसे शी चिनफिंग और चीनी कम्युनिस्ट पार्टी को भी इस सचाई का अहसास हो रहा है कि पिछले करीब एक दशक में अपनाई गई बेहद आक्रामक विदेश नीति ने उसे काफी हद तक अलग-थलग कर दिया है। अब जब चीन कोविड से उपजी आर्थिक सुस्ती से उबर रहा है तो उसे पश्चिम की मदद चाहिए। पश्चिमी मदद के बगैर चीनी अर्थव्यवस्था रफ्तार नहीं पकड़ सकती। शायद इसीलिए जीरो कोविड पॉलिसी के खत्म होने के बाद चीन ने सबसे पहले यूरोप का रुख किया। फरवरी में वांग यी यूरोप गए। मकसद चीन-यूरोप रिश्तों की तस्दीक करना था और यूरोप को अमेरिका से दूर करने की संभावनाएं खंगालना भी। यूक्रेन पर किसी स्पष्ट योजना के बगैर उस दिशा में बात नहीं बढ़ सकती थी। इसलिए चीन ने दो पोजिशन पेपर जारी किए।

एक शांति प्रस्ताव यूक्रेन युद्ध के लिए और दूसरा पूरी दुनिया के लिए, जिसमें संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने और इकतरफा पाबंदियां लगाने से बचने की बात केंद्र में थी।

शी चिनफिंग के मॉस्को दौरे में रूस-चीन की नजदीकी पर जिस तरह से जोर दिया गया, उसे देखते हुए यह स्पष्ट है कि यूक्रेन शांति योजना का यूक्रेन से शायद ही कोई मतलब था।

इसका मकसद यह रेखांकित करना था कि जहां अमेरिका युद्ध को अधिक से अधिक लंबा खींचने में लगा है, वहीं चीन एक ऐसा देश है जो इस संकट को सुलझाने का प्रयास कर रहा है।

यह संदेश दुनिया के उस बड़े हिस्से के लिए था, जो यूरोप में लड़े जा रहे इस युद्ध की कीमत चुकाते-चुकाते थक चुका है। झुकने का इरादा नहीं

इन तमाम प्रयासों के बावजूद चाहे ताइवान में सैन्य धमकियों की बात हो या ईस्ट और साउथ चाइना सी के विवादों में आक्रामक रवैया जारी रखने की, यह स्पष्ट है कि अपनी मुख्य मांगों को लेकर झुकने का चीन का कोई इरादा नहीं है। भारत-चीन सीमा का मसला भी बना ही रहने वाला है ताकि भारत पर दबाव कायम रहे। कुल मिलाकर, चीन की कूटनीतिक शब्दावली में इन दिनों भले कुछ बदलाव दिख रहा हो, उसके कार्य उसी पुरानी छवि को मजबूती दे रहे हैं जिसके मुताबिक यह अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में किसी भी कीमत पर अपनी जगह बनाना चाहता है। ऐसे में नई छवि बनाने की उसकी ताजा कवायद को बाकी दुनिया कितनी अहमियत देती है, यह देखने वाली बात होगी।

कांतिलाल ऐ. पटेल

किस एक बात से परेशान हैं बीजेपी-कांग्रेस

अगले आम चुनाव में भले ही दस महीने से कुछ ज्यादा समय बचा है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए चुनावी चक्र अभी से शुरू हो गया है। इन पार्टियों ने अभी से 2024 लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। लेकिन देश के दो सबसे बड़े राष्ट्रीय दल इन चुनावों से पहले एक ही समस्या से जूझ रहे हैं। यह है अपनों की नाराजगी और असंतोष। सत्तारूढ़ बीजेपी हो या फिर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस, दोनों इससे परेशान हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि आम चुनावों से पहले देश में जितने भी बड़े विधानसभा चुनाव हैं, उनमें तेलंगाना को छोड़ दिया जाए तो हर जगह मुख्य मुकाबला इन्हीं दोनों दलों के बीच है। वैसे मतभेद, असंतोष और गुटबाजी कांग्रेस के लिए कोई नई बात नहीं है, लेकिन बीजेपी में नरेंद्र मोदी के पीएम बनने के बाद से ऐसी प्रवृत्तियां कम हो गई थीं। इधर, वहां भी आलाकमान की पहले जैसी नहीं चल रही। बीजेपी से दूर हो रहे नेता असंतोष का सबसे बड़ा उदाहरण कर्नाटक में दिख रहा है। वहां काफी समय से हाशिए पर खड़े पूर्व सीएम वाईएस येदियुरप्पा को असेंबली चुनाव से आठ महीने पहले पार्टी ने न सिर्फ संगठन की सबसे ताकतवर इकाई पार्लियामेंट्री बोर्ड में रखा, बल्कि उन्हें चुनाव से ठीक पहले प्रदेश की चुनाव अभियान समिति की कमान भी सौंप दी। प्रदेश के सबसे कद्दावर और सूबे के सबसे बड़े सामाजिक तबके लिंगायतों के निर्विवाद नेता की अहमियत को समझते हुए ही पार्टी ने उन्हें इतनी तवज्जो दी। दरअसल, बीजेपी को अपने परंपरागत लिंगायत वोटों के छिटकने का डर सता रहा था। येदियुरप्पा की उपेक्षा के कारण यह समुदाय बीजेपी से नाराज चल रहा था। इसी तरह, बीजेपी के एक और सीनियर नेता और पांच बार के विधायक केएस ईश्वरप्पा को भी मनाने की कोशिश हुई। हाल ही में उनका टिकट कटा था, जिसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके पार्टी के प्रति उनकी वफादारी के लिए शुक्रिया कहा। दरअसल, कुछ दिनों पहले ही टिकट कटने से नाराज एक बड़े लिंगायत नेता और पूर्व डेप्युटी सीएम जगदीश शेट्टार बीजेपी छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। कहा जा रहा है कि अपना किला बचाने में जी-जान से जुटी बीजेपी शेट्टार के बाद किसी और बड़े नेता के पार्टी छोड़ने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। ऐसा ही एक वाकया हिमाचल प्रदेश चुनाव के दौरान भी सामने आया था, जब पीएम मोदी ने एक असंतुष्ट नेता कृपाल परमार को फोन किया था। वह परमार को चुनाव नहीं लड़ने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे थे। तब टिकट काटे जाने से नाराज परमार ने निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी थी। हालांकि तब पीएम की उन्हें मनाने की कोशिश कामयाब नहीं हुई। बीजेपी की चिंता है कि कर्नाटक के नतीजे अगर अनुकूल नहीं आते हैं तो दूसरे राज्यों में पार्टी के बड़े नेता शीर्ष नेतृत्व की चुनौती बढ़ा सकते हैं। इनमें पहला नाम राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे का आता है। पार्टी उन्हें इस बार नेता के तौर पर आगे बढ़ाने के लिए तैयार नहीं है, लेकिन राजस्थान में वसुंधरा राजे को नाराज कर चलना मुश्किल होगा। वैसे, बीजेपी प्रदेश में गजेंद्र सिंह शेखावत को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी के भरोसेमंद सीपी जोशी को भी प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है, लेकिन वसुंधरा हर लिहाज से दोनों पर भारी पड़ती हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व उन्हें कैसे साधता है। उधर, छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम रमन सिंह और राष्ट्रीय नेतृत्व के बीच खींचतान जारी है। सिंह को भले ही राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बना दिया गया हो, लेकिन टॉप लीडरशिप उनके पक्ष में नहीं है। केंद्र ने कुछ महीने पहले आगामी चुनाव को ध्यान में रखते हुए वहां प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बदले। साहू समाज से आने वाले अरुण साव को जहां प्रदेश की कमान सौंपी गई, वहीं ओबीसी नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया। लेकिन रमन सिंह इन दोनों से वजनदार हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि छत्तीसगढ़ में बीजेपी रमन सिंह का इस्तेमाल करेगी या नहीं? मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को लेकर भी चर्चा है कि पार्टी उन्हें अगला मौका नहीं देना चाहती। लेकिन वहां बीजेपी के सामने चुनौती है कि चौहान की जगह किसे आगे बढ़ाया जाए? अगर चौहान को चेहरा नहीं बनाया जाता तो प्रदेश संगठन में गुटबाजी का खतरा बढ़ सकता है।

कांग्रेस की पुरानी परंपरा

कांग्रेस में प्रदेश क्षत्रपों और बड़े नेताओं के बीच टकराव कोई नई बात नहीं। इसी वजह से पिछले कुछ सालों में कुछ राज्यों में कांग्रेस की सरकारें गिरीं तो कुछ जगहों पर सरकार बनते-बनते रह गई। पंजाब में पार्टी की हार की वजह बड़े नेताओं के बीच अहं का टकराव थी। वहां कैप्टन अमरिंदर सिंह, नवजोत सिंह सिद्धू और चरणजीत सिंह चन्नी के बीच गुटबाजी चुनाव से काफी पहले से चली आ रही थी। यही हाल कर्नाटक का है, जहां जल्द चुनाव होने जा रहे हैं। वहां पूर्व सीएम सिद्धारमैया और प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार में नहीं बनती। भले ही फोटो में कांग्रेस हाईकमान ने दोनों को साथ दिखा दिया हो, लेकिन दोनों कितने सहज हो पाए हैं, इसकी असलियत चुनाव परिणाम के बाद ही सामने आएगी। ऐसे में सूबा जीतने के बाद हाईकमान के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द होगा सीएम चुनना और सरकार चलाना। जहां तक मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की बात है तो पिछले चुनावों में तीनों ही राज्यों में कांग्रेस ने सरकार बनाई, लेकिन मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया की बगावत 15 महीनों के अंदर कमलनाथ सरकार को ले डूबी। इस बार भले ही दिग्विजय सिंह और कमलनाथ फिलहाल एक साथ दिख रहे हों, लेकिन उनके बीच आपसी प्रतिद्वंद्विता भी है। वहां हाईकमान दिग्विजय के बजाय कमलनाथ को आगे बढ़ाना चाहता है, लेकिन सिंह नहीं चाहेंगे कि कमलनाथ को फ्री हैंड मिले। राजस्थान में सीएम अशोक गहलोत और पूर्व डेप्युटी सीएम सचिन पायलट के बीच रस्साकशी पिछले पांच साल से जारी है। गहलोत के साथ फिलहाल मजबूती के साथ खड़ी कांग्रेस अगर पायलट के खिलाफ कोई कड़ा कदम नहीं उठा रही, तो इसका मतलब यही है कि पार्टी दुविधा में है। छत्तीसगढ़ में भी सीएम भूपेश बघेल के लिए एक चुनौती प्रदेश के दिग्गज नेता टी एस सिंहदेव बने हुए हैं। कांग्रेस के लिए भी इन परस्पर विरोधी गुटों को साधना खासा मुश्किल साबित होने वाला है।

भूपत सांवलिया

किरीट ए. चावड़ा

अतीक अहमद मामले से क्या मजबूत हुए योगी

बात 25 फरवरी की है। प्रयागराज में उमेशपाल की हत्या हो चुकी थी। हत्याकांड में अतीक अहमद के परिवार का नाम आ चुका था। योगी सरकार विपक्ष के निशाने पर थी। यूपी विधानसभा का सत्र चल रहा था। सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव की सीएम के साथ गरमा-गरमी हुई। फिर योगी आदित्यनाथ ने ऐलान किया, 'इसी हाउस में कह रहा हूं, इस माफिया को मिट्टी में मिला देंगे... जितने भी माफिया हैं, उनको मिट्टी में मिलाने का काम करेंगे।' उसी दिन से माना जाने लगा था कि अब 'कुछ बड़ा' होगा, लेकिन अतीक अहमद को लेकर जो घटनाक्रम सामने आया, उसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। कुछ वक्त के लिए तो सरकारी तंत्र भी हैरान था कि अतीक की हत्या के बाद उठे सवालों पर बचाव कैसे किया जाए? शायद कोई और सरकार होती तो उसके लिए मुश्किल खड़ी हो जाती, लेकिन इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर एक बड़े वर्ग की जैसी प्रतिक्रिया दिखी, उसके मद्देनजर सरकार को किसी सवाल का जवाब नहीं देना पड़ा। वह आश्वस्त हो गई कि लोग उसके साथ हैं। विपक्ष ने कदम पीछे खींचे हालांकि विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की कोशिश जरूर की, लेकिन वह नाकाम रहा। दरअसल, 2014 से भारतीय राजनीति में आए बड़े बदलाव की वजह एक खास वर्ग को पिछली सरकारों में मिली 'तवज्जो' से पैदा हुए गुस्से को भी माना जाता है। यह भी कहा जाता है कि वर्ग विशेष से ताल्लुक रखने वाले माफिया पिछली सरकारों के संरक्षण की वजह से मजबूत हुए। लोगों की प्रतिक्रिया देखने के बाद विपक्ष को भी लगा कि इस मुद्दे पर विरोध जारी रखने का मतलब अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारना होगा। इसलिए उसने विरोध का दायरा सीमित कर दिया। यहां तक कि बीएसपी, जिसने अतीक अहमद की पत्नी को सदस्यता दी थी और नगर निगम चुनाव में उन्हें मेयर का टिकट देने की बात चल रही थी, उसने भी अतीक के परिवार से किनारा करना ही बेहतर समझा। योगी के हक में जो बात गई वह यह थी

कि माफिया के खिलाफ आम लोगों ने कभी सख्त कार्रवाई होते नहीं देखा था। मुकदमे, गिरफ्तारी और जेल, ये सब औपचारिकता हुआ करते थे। माफिया का रसूख बना रहता था और उसके डर से गवाह मुकर जाते थे, इसलिए उन्हें सजा नहीं हो पाती थी। लेकिन इधर कुछ वर्षों में माफिया का 'आर्थिक साम्राज्य' जब प्रशासनिक कार्रवाई के कारण टूटा और अदालती पैरवी मजबूत होने से सजा मिलनी शुरू हुई तो इसका श्रेय योगी के हिस्से गया। कानून-व्यवस्था का मुद्दा यूपी में सबसे ज्यादा मायने रखता है। यूपी में एक वक्त कल्याण सिंह का पहला कार्यकाल अपराधी-माफिया के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए याद किया जाता था। बाद में कुछ वक्त मायावती भी इसलिए याद की गईं लेकिन योगी आदित्यानाथ ने 'बुलडोजर' को 'न्याय' का प्रतीक बना दिया। चुनावी रैलियों में बुलडोजर खड़े किए जाने लगे। अब उनका माफिया को 'मिट्टी में मिलाने' का ऐलान, उनकी दृढ़ इच्छा शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। वह जमाना भी नहीं रहा, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री वीपी सिंह के कार्यकाल में डाकुओं के खिलाफ शुरू हुई कार्रवाई को विपक्षी नेता मुलायम सिंह यादव ने 'पिछड़े वर्ग' का मुद्दा बना कर प्रदेश की राजनीति का अजेंडा ही बदल दिया था। अब विपक्ष के नेताओं के पास न तो राजनीतिक जोखिम लेने का वैसा साहस है और न ही मुलायम जैसी स्वीकार्यता। योगी आश्वस्त हैं इसमें कोई शक नहीं कि धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण हिंदी भाषी राज्यों की सियासत का अहम हिस्सा बन चुका है। प्रयागराज के उमेशपाल हत्याकांड और उसके बाद का जो घटनाक्रम रहा है, उसने जाने-अनजाने धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण का माहौल तैयार किया है। जब भी ऐसा होता है तो उसका फायदा बीजेपी को मिलता है। यूपी में इस वक्त निकाय चुनाव चल रहे हैं और उसके एक साल के अंदर लोकसभा चुनाव होने हैं। वैसे इन सबके बीच एक जो सबसे अहम बात है वह यह कि 'ब्रैंड योगी' पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हुआ है। 15 अप्रैल को पुलिस हिरासत में जिस तरह अतीक और उसके भाई अशरफ की अपराधियों ने हत्या की, उससे योगी सरकार के दबाव में होने की बात कही जा रही थी और आम लोगों के बीच शिद्दत के साथ योगी आदित्यनाथ की प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा की जा रही थी। 18 अप्रैल को योगी आदित्यनाथ एक सरकारी कार्यक्रम में शामिल हुए और वहां वह आत्मविश्वास से भरे हुए दिखे। उन्होंने सार्वजनिक मंच से कहा, 'यूपी में अब कानून का राज है। पहले कहा जाता था कि यूपी में कानून-व्यवस्था ठीक नहीं है, लेकिन अब राज्य में कोई माफिया किसी को धमका नहीं सकता। 2017 से पहले राज्य दंगों के लिए बदनाम था। पहले प्रदेश की अस्मिता का संकट था, आज प्रदेश उनके (माफिया के) लिए संकट बन रहा है।' सब चंगा 24 अप्रैल को वेस्ट यूपी के सहारनपुर से जब उन्होंने निकाय चुनाव के लिए अपने प्रचार अभियान की शुरुआत की तो भी उन्होंने माफिया वाले मुद्दे को ही रेखांकित किया, 'नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा। रंगदारी ना फिरौती, अब यूपी नहीं है किसी की बपौती। माफिया-अपराधी हो गए अतीत, यूपी बना है सुरक्षा-खुशहाली और रोजगार का प्रतीक। यूपी अब कर्फ्यू के लिए नहीं, कांवड़ यात्रा के लिए पहचाना जा रहा है। हमारी पहचान अब उपद्रव की नहीं, उत्सवों की है। यह प्रदेश माफिया नहीं, महोत्सव का प्रदेश बन चुका है।' यानी ग्राउंड रिपोर्ट योगी आदित्यनाथ को आश्वस्त कर रही है कि माहौल उनके पक्ष में है,

छुट्टी नहीं डबल ड्यूटी पर हूं

3 दिन के लिए गांव पहुंचे शिंदे का विरोधियों को जवाब

मुंबई: तीन दिनों की छुट्टी पर जाने के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे विपक्ष के निशाने पर थे। जिसको लेकर एकनाथ शिंदे ने अलग ही अंदाज में विरोधियों को जवाब दिया है। शिंदे ने कहा कि मैं छुट्टी पर नहीं बल्कि डबल ड्यूट्टी पर हूं। दरअसल राजनीतिक गलियारों में यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि सीएम एकनाथ शिंदे परेशान थे और तीन दिनों के लिए सतारा में अपने गांव छुट्टी पर चले गए। महाराष्ट्र की सियासत में बीते दिनों से तमाम चर्चाओं के बीच शिंदे का यह बयान काफी अहम माना जा रहा है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से निपटाईं 65 फाइलें

सीएमओ के एक बयान में कहा गया है कि महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 65 फाइलों का निस्तारण किया है।

शिंदे ने यह भी कहा कि वह कभी छुट्टी नहीं लेते। उन्होंने कहा कि, 'मैं अभी सतारा के दौरे पर हूं। मैंने तपोला में पुल का निरीक्षण किया और तपोला महाबलेश्वर रोड का भूमिपूजन किया। मैंने महाबलेश्वर में पर्यटन के संदर्भ में समीक्षा बैठक भी की। इसलिए यह सच नहीं है कि मैं छुट्टी पर हूं।

वास्तव में मैं मैं डबल ड्यूट्टी पर हूं। जो लोग आरोप लगा रहे हैं उनके पास और कोई काम नहीं है। उन्हें घर पर बैठा दिया गया है। इसलिए वे बातें करेंगे। हम आरोपों का जवाब काम से देंगे।' सतारा आकर नहीं हुआ हूं बेफिक्र महाराष्ट्र के सीएम शिंदे ने कहा, 'मैं सतारा आकर निश्चिंत नहीं हुआ हूं। यहां कई लोग मुझसे मिलने आए। मेरा जोर यहां के लोगों की समस्याओं के समाधान पर है। इसके लिए बैठकें की जा रही हैं। अधिकारियों की मानें तो सीएम का यह दौरा पहले से ही निर्धारित था। इस बीच सीएम शिंदे के सतारा दौरे के बारे में किए सवाल पर शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भी तंज कसा। राउत ने कहा कि, 'राज्य और देश में तस्वीर ऐसी है कि सीएम को लंबी छुट्टी पर जाने के लिए कहा जाएगा। शिंदे इसके लिए अभ्यास कर रहे हैं।'

मराठी को मिले अभिजात भाषा का दर्जा

अजित पवार ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखा पत्र

मुंबई। विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार (Ajit Pawar) ने महाराष्ट्र के 63वें स्थापना दिवस और मराठी राजभाषा दिवस के निमित्त 1 मई महाराष्ट्र दिवस को मराठी (marathi) को अभिजात भाषा की दर्जा (elite language status) दिए जाने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) को लिखे पत्र में कहा कि वे इस मांग को केंद्र के समक्ष उठाएं। अजित पवार ने अपने पत्र में कहा कि मराठी भाषा अभिजात भाषा का दर्जा दिए जाने के हर मापदंड को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और साहित्य अकादमी सहित हर विभाग ने प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी है। हर विभाग ने इसको लेकर अपनी सकारात्मक रिपोर्ट दी है। उन्होंने कहा कि अब इस मामले पर केवल केंद्र की मंजूरी मिलना बाकी है।

पवार ने कहा कि केंद्र सरकार के अमृतकाल के उपहार के रूप में मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि जब वर्ष 2022 में महाविकास आघाड़ी सरकार सत्ता में थी, तब तत्कालीन मराठी भाषा मंत्री सुभाष देसाई ने केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी से मुलाकात की थी, जिन्होंने देसाई को बताया था कि पठारे कमेटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया गया है। देसाई ने तब कहा था कि राज्य सरकार ने साहित्यकार रंगनाथ पठारे की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था, जिसने किसी भाषा को अभिजात भाषा का दर्जा देने के मानदंड के लिए भाषा की प्राचीनता, मौलिकता और निरंतरता और साहित्यिक परंपराओं के बारे में सबूतों का हवाला देते हुए एक बड़ी रिपोर्ट तैयार की थी।

पवार ने कहा कि 2021 में तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे (Uddhav Thackeray) ने महाराष्ट्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों के लिए पीएम मोदी से मिलने के लिए एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया और उनसे मराठी को अभिजात भाषा का दर्जा देने के बारे में निर्णय लेने की भी अपील की थी। विपक्ष के नेता ने कहा कि जब देवेंद्र फडणवीस मुख्यमंत्री थे, उस समय भी इस संबंध में उनके प्रयास असफल रहे। जब पृथ्वीराज चव्हाण मुख्यमंत्री थे तो उन्होंने रंगनाथ पठारे की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई, जिसने 435 पन्नों की एक रिपोर्ट सौंपी थी जो यह बताती थी कि मराठी कैसे एक अभिजात भाषा का दर्जा प्राप्त करने की हकदार है।

बेस्ट बसों में तेज आवाज में बात करने पर पाबंदी

मुंबई। बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) ने अपनी बसों में सफर के दौरान लोगों के मोबाइल फोन पर जोर से बातचीत करने और बिना हेडफोन के मोबाइल उपकरणों पर ऑडियो/वीडियो देखने पर रोक लगा दी है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। बेस्ट के एक प्रवक्ता ने बताया कि सहयात्रियों को असुविधा से बचाने के लिए नगर परिवहन निकाय ने यह फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि यात्रियों की ओर से लगातार मिल रही शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए, बेस्ट ने यह निर्णय लिया और 24 अप्रैल को इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की गई।

जारी रहेगी वाहनों की संख्या पर पाबंदी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा रोजाना 1000 वाहनों की सीमा के 2015 के अपने आदेश में संशोधन से इनकार करने के साथ ही हिमाचल प्रदेश में मनाली से रोहतांग दर्रा जाने वाले वाहनों की संख्या पर पाबंदी जारी रहेगी। शीर्ष पर्यावरण नियामकीय संस्था ने कहा कि हिमनद, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण पर वाहन प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव उनकी संख्या बढ़ने की अनुमति नहीं देते । एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए के गोयल की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, 'वाहनों की प्रतिबंधित संख्या के कारण वायु गुणवत्ता के आंकड़े भले ही अच्छे हैं लेकिन इसे यह मानने का आधार नहीं समझा जा सकता कि वाहनों की संख्या बढ़ना व्यवहार्य होगा।

राहुल को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को धमकी देने के आरोपी को इंदौर पुलिस ने बृहस्पतिवार को यहां गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्थानीय इशिलाल झाम नाम के व्यक्ति को एक सूचना के आधार पर रेलवे स्टेशन क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उसके विरुद्ध जूनी इंदौर थाना पुलिस वैधानिक कार्रवाई कर रही है। कुछ माह पहले गांधी को जान से मारने की धमकी दी गई थी। वे भारत जोड़ो यात्रा के तहत मध्यप्रदेश से गुजर रहे थे।

महाराष्ट्र में कौन सी रोटी पलटने की बात कर रहे हैं शरद पवार ?

महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर से हलचल तेज है। कारण एनसीपी प्रमुख शरद पवार का ताजा बयान है। पवार ने गुरुवार को मुंबई में आयोजित युवा मंथन कार्यक्रम में रोटी पलटने की बात कह डाली। पवार बोले, 'किसी ने मुझे कहा कि रोटी सही समय पर पलटनी होती है और अगर सही समय पर नहीं पलटी तो वो कड़वी हो जाती है। अब सही समय आ गया है रोटी पलटने का, उसमें देरी नहीं होनी चाहिए। इस बारे में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को आग्रह करूंगा की वो इस पर काम करें।'पवार का ये बयान ऐसे समय आया है जब उनके भतीजे और एनसीपी नेता अजित पवार के नए राजनीतिक कदम को लेकर अटकलें लगाई जा रहीं हैं। दावा किया जा रहा है कि वह भाजपा के साथ हाथ मिला सकते हैं।

हालांकि, अजित पवार इन अटकलों को खारिज भी कर चुके हैं। अब शरद पवार के नए बयान से सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी। सवाल उठने लगा कि आखिर शरद पवार किस रोटी को पलटने की बात कर रहे हैं? क्या फिर से महाराष्ट्र में कोई बड़ा उलटफेर होने वाला है या फिर पार्टी को लेकर पवार कोई बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं? आइए जानते हैं... कौन सी रोटी पलटने की बात कर रहे हैं शरद पवार? इसे समझने के लिए हमने महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषक आनंद त्रिपाठी से बात की। उन्होंने कहा, 'राजनीति में बयानों का बड़ा मतलब होता है। शरद पवार अपनी पार्टी ही नहीं, बल्कि देश के बड़े नेताओं में से एक हैं। इन दिनों महाराष्ट्र की सियासत को लेकर बड़े-बड़े दावे हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि ये दावे यूं ही होंगे। कहीं न कहीं इनमें चिंगारी जरूर होगी। पवार के बयान को भी गंभीरता से लेने की जरूरत है।' आगे आनंद ने पवार के बयान के तीन मतलब बताए। कहा कि इन तीनों में से कुछ एक जरूर हो सकता है।

कांग्रेस सत्ता में आई तो मछुआरों को मिलेगा 10 लाख का बीमा कवर: राहुल गांधी

कर्नाटक चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बड़ा वादा किया है। उन्होंने कर्नाटक की सत्ता में उनकी पार्टी के आने पर मछुआरों को 10 लाख रुपये का बीमा कवर देने का वादा किया। राहुल ने कर्नाटक में कांग्रेस के सत्ता में आने पर प्रति मछुआरा एक लाख रुपये का ब्याज मुक्त कर्ज देने, एक दिन में एक से लेकर 500 लीटर डीजल तक प्रतिलीटर 25 रुपये की सब्सिडी देने का वादा किया।कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उडुपी में मछुआरा समुदाय के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद हम मछुआरों को 10 लाख रुपये का बीमा कवर देंगे। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि कांग्रेस सरकार मछुआरों की जरूरतों के प्रति बहुत संवेदनशील होगी। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि आपके हितों की रक्षा हो। उन्होंने कहा कि जैसे ही कर्नाटक में कांग्रेस सरकार सत्ता में आएगी, हम 5वीं गारंटी लागू करेंगे कि सभी महिलाएं सार्वजनिक परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं।

कांग्रेस ने की है कौन-कौन सी गारंटी की बात'गृह ज्योति' योजना के तहत हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत परिवार की प्रत्येक प्रमुख महिला को 2,000 रुपये प्रति माह'अन्न भाग्य' के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलोग्राम चावल'युवा निधि' के तहत बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपये तथा डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपये प्रति माहपांचवीं चुनावी 'गारंटी' के तहत राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा किया।

शाह और शरमा की मौजूदगी में हुआ उग्रवादी समूह का शांति समझौता

उग्रवादी समूह दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की मौजूदगी में सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद शाह ने कहा कि राज्य में अब कोई आदिवासी उग्रवादी समूह नहीं है। उन्होंने दावा किया कि असम के सभी आदिवासी उग्रवादी समूह अब मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, आज असम के सारे विवाद और हिंसा में लिप्त संगठन इस समझौते के साथ ही समाप्त होने जा रहे हैं। असम में अब एक भी आदिवासी समूह ऐसा नहीं है जो हथियार लेकर, कैंप लगाकर जंगलों में रहेगा। आज दिमासा नेशनल लिबरेशन आर्मी (डीएनएलए) और दिमासा पीपुल्स सुप्रीम काउंसिल (डीपीएससी) के साथ असम सरकार के समझौते के साथ ही सारे के सारे आदिवासी समूह आज मुख्यधारा में आ गए हैं।

सीमा विवाद के बाद पहली बार भारत आए चीनी रक्षा मंत्री

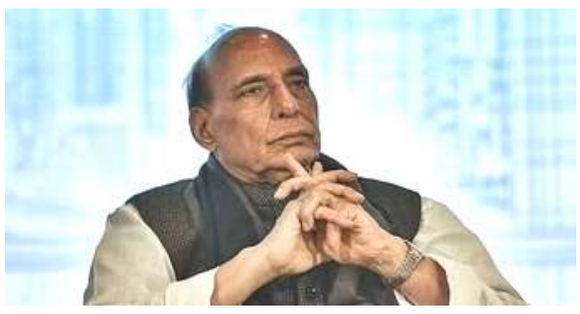

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने चीनी समकक्ष ली शांगफू के साथ वार्ता की। नई दिल्ली में हुई यह बैठक एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक से पहले हुई। राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत-चीन संबंधों का विकास सीमाओं पर शांति पर निर्भर करता है। एलएसी पर सभी मुद्दों को मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों और प्रतिबद्धताओं के अनुसार हल करने की जरूरत है। दोनों देशों के संबंध तभी मजबूत हो सकते हैं, जब सीमा पर शांति हो और एक-दूसरे की संपभूता का सम्मान किया जाए। पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद पर चर्चासूत्रों के मुताबिक, दोनों के बीच पूर्वी लद्दाख में जारी सीमा विवाद पर चर्चा हुई। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए शांगफू के दिल्ली पहुंचने के बाद यह बैठक हुई।

भारत एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक की मेजबानी कर रहा है। तीन साल पहले पूर्वी लद्दाख में सीमा विवाद के बाद यह चीन के रक्षा मंत्री की यह पहली भारत यात्रा है। कुछ दिन पहले ही सीमा विवाद को खत्म करने के लिए भारत और चीन की सेनाओं ने 18वें दौर की सैन्य वार्ता की थी।रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा?रक्षा मंत्रालय ने राजनाथ सिंह-ली शांगफू की वार्ता के संबंध में कहा कि दोनों मंत्रियों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के घटनाक्रम के बारे में खुलकर बातचीत की। राजनाथ सिंह ने शांगफू से कहा कि चीन-भारत संबंधों का विकास सीमा पर अमन-चैन पर आधारित है। मौजूदा समझौतों के उल्लंघन से द्विपक्षीय संबंधों की संपूर्ण बुनियाद को नुकसान पहुंचा। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के सभी मुद्दों को मौजूदा द्विपक्षीय समझौतों और प्रतिबद्धताओं के अनुरूप सुलझाने की जरूरत है।

BSF ने मादक पदार्थ ले जा रहे ड्रोन को गिराया

जालंधर। पाकिस्तान की तरफ से नार्को-आतंकवाद की एक और नापाक कोशिश को नाकाम करते हुए पंजाब की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने बृहस्पतिवार को अमृतसर के गांव धनो कलां के पास के इलाके में पाकिस्तान से भारतीय क्षेा में प्रवेश करने वाले एक संदिग्ध ड्रोन को मार गिराया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया, सुरक्षाबल के जवानों ने पाकिस्तान से भारतीय क्षेा में प्रवेश करने वाले एक संदिग्ध ड्रोन आवाज सुनी।

बारसु के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए: ठाकरे

मुंबई। शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरेने गुरुवार को भारतीय कामगार सेना के रविंद्र नाट्य मंदिर में आयोजित वार्षिक समारोह को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे सरकार (Eknath Shinde Govt.) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने रत्नागिरी जिले की राजापुर तहसील के बारसु में प्रस्तावित रिफाइनरी (refinery) के बारे में कहा कि मेरी भूमिका वहां के लोगों की भूमिका है। वहां के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाए। अच्छे प्रोजेक्ट बाहर क्यों भेजे? ठाकरे ने कहा कि तुम कहते हो कि हम महाराष्ट्र में अच्छे प्रोजेक्ट ला रहे हैं, लेकिन पुलिस की मदद से वहां मां-बहनों को क्यों धमकाया जा रहा है? लोगों को गिरफ्तार क्यों किया जा रहा है? आप यह क्यों कहते हो कि यह प्रोजेक्ट आपके लिए अच्छा है। इस पर हम बोलते हैं तो कहा जाता है कि विकास का रास्ता रोक रहे हैं। यदि ऐसा है तो वे यहां वेदांत-फॉक्सकॉन या टाटा एयरबस जैसे प्रोजेक्ट क्यों नहीं लाए? जो अच्छे प्रोजेक्ट यहां आ सकते थे, वे बाहर क्यों भेजे? ढाई साल पुलिस ने जोर-जबरदस्ती नहीं की उन्होंने कहा कि बारसु को लेकर आग लगाई जा रही है कि उद्धव ठाकरे ने पत्र दिया था। हां मैंने पत्र दिया था। मैं कहां मना कर रहा हूं, लेकिन जब मैं मुख्यमंत्री था, तब पत्र दिया था, तब ढाई साल तक पुलिस ने जबरदस्ती नहीं की थी। बारसु को लेकर या नाणार को लेकर मेरी भूमिका वहां के लोगों की भूमिका है। ठाकरे ने कहा कि यदि वे मुख्यमंत्री बने रहते तो वहां के लोगों को विश्वास में लेने के बाद इस संबंध में आगे बढ़ते। ठाकरे ने पूछा कि इस तरह की परियोजनाएं महाराष्ट्र पर क्यों थोपी जा रही हैं? उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बारसू का दौरा करना चाहिए था और स्थानीय निवासियों को रिफाइनरी परिसर के बारे में समझाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि केंद्र और महाराष्ट्र में सरकार श्रमिक विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें श्रमिकों की जरूरतों और मुद्दों के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता है। हम जरूर बदला लेंगे उद्धव ठाकरे ने कहा कि जिस तरीके से हमारी पीठ पर वार कर सरकार गिराई गई, उसका हम बदला लेना चाहते हैं। हम इसका बदला जरूर लेंगे। उन्होंने कहा कि केवल जूते साफ करने की लायकी रखने लोग शासन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल के दौरान हमने 25 बड़े उद्योग और ढाई लाख करोड़ रुपए का निवेश लेकर आए थे। इनमें से कई उद्योग आंखों से सामने से छीन लिए गए और अंदर दुम दबाकर बैठने वाले बाला साहेब के विचारों को दिखा रहे हैं? ये बाला साहेब के विचार हैं? जिस शिवसेना का जन्म मूल रूप से भूमिपुत्रों को न्याय देने के लिए हुआ, ऐसे भूमिपुत्रों पर अन्याय कर यहां लाए गए उद्योगों को पड़ोस के राज्यों में ले जाया गया। ये कैसे बाला साहेब के विचार हैं? नेताओं ने कभी क्रांति नहीं की ठाकरे ने कहा कि अब मजदूर दिवस आ रहा है। उन्होंने जय जवान, जय किसान के नारे में जय कामगार को जोड़ा। उन्होंने कहा कि देश और दुनिया में किसान और मजदूरों ने ही क्रांति की है। कोई भी क्रांति नेता ने नहीं की। ऐसे में घर को तबाह करने वाले काले कानून को वापस लेना चाहिए। आज मोर्चे निकाले जाते हैं, लेकिन सरकार संवेदनशील होनी चाहिए। जब राज्य में युति की सरकार थी, तब शिवसेना प्रमुख ने कहा था कि मोर्चे आएंगे, लेकिन जब मोर्चे आएंगे तो उन्हें पुलिस द्वारा रोका नहीं जाना चाहिए। जिस विभाग को लेकर मोर्चे आ रहा है, उसके मंत्री को मंत्रालय से नीचे उतरकर मोर्चे का सामना करना चाहिए। उद्धव ठाकरे ने सवाल किया कि अब कहां गई यह संवेदनशीलता? सहमति से आगे बढ़ेंगे: मुख्यमंत्री इधर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे (Eknath Shinde) ने नागपुर में कहा कि बारसू में रिफाइनरी परियोजना (refinery project) स्थानीय निवासियों की सहमति के बाद ही आगे बढ़ेगी और इसे लेकर कोई जबरदस्ती नहीं की जाएगी। शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार किसी भी स्थिति में बलपूर्वक और लोगों की सहमति के बिना बारसू रिफाइनरी परियोजना शुरू नहीं करेगी।

पे ऐंड पार्क के बहाने बांद्रा टर्मिनस पर लूट

मुंबई: बांद्रा टर्मिनस पर जिसका डर था, वही कारोबार शुरू हो गया है। यहां एक महीने पहले रेलवे ने 'पे ऐंड पार्किंग' शुरू की थी। इस दौरान एनबीटी ने 'सावधान! बांद्रा पर कार न ले जाना' के शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी। आशंका यही थी कि रेलवे की इस नई सुविधा से 'लूट' का अंदेशा है और ऐसा ही हुआ। बांद्रा टर्मिनस पर एंट्री के लिए भी पैसे लिए जा रहे हैं, जबकि बोर्ड पर स्पष्ट लिखा था कि यात्रियों को पिकअप-ड्रॉप के दौरान यदि पांच मिनट से कम समय लगता है, तो पार्किंग के पैसे नहीं लिए जाएंगे। ठेकेदार द्वारा सभी शर्तों को ताक पर रखकर वाहन की एंट्री होते ही 30 रुपये लिए जा रहे हैं। यात्री भेरूमल जैन ने बताया कि वे टैक्सी से बांद्रा टर्मिनस पहुंचे और जैसे ही बांद्रा लोकल से टर्मिनस की ओर जाने वाले ब्रिज से नीचे उतरे, कुछ ही मीटर की दूरी पर ठेकेदार ने बैरिकेट बनाया हुआ है। जैन ने बताया कि उन्हें रुकना नहीं था,

मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकते हैं निगेटिव इमोशन:इसे टालने की बजाए चैलेंज के रूप में स्वीकार करें, इससे मन प्रसन्न रहता है

राज के.वेगड़

हर व्यक्ति के मन में कई बार निगेटिव इमोशन आते हैं, लेकिन लोग इसे बुरा मानकर टालने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं कई बार वे इससे दुखी भी होने लगते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है। कई बार निगेटिव इमोशन आपकी मेंटल हेल्थ के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। इसके लिए जरूरी है कि आप इसे चैलेंज की तरह लें। इससे आपका मन भी प्रसन्न रहता है। हाल ही में हुए एक रिसर्च में यह बात सामने आई है। दरअसल, हम अपने आगामी जीवन और काम को लेकर परेशान हो जाते हैं। अपने साथ के लोगों पर नाराज होने लगते हैं। अक्सर ही हमारे इमोशन हमारे अच्छे-बुरे बर्ताव को प्रभावित करते हैं। हम अपने इमोशन को कैसे आंकते हैं और उस पर कैसे व्यक्त करते हैं इसका बहुत फर्क हमारे जीवन में पड़ता है। इमोशन नाम के जर्नल में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं ने मानव व्यवहार और उसके भावनाओं के संबंध पर रिसर्च प्रस्तुत की है। निगेटिव फीलिंग्स वाले लोग जीवन से कम संतुष्ट हैं इस रिसर्च में साफ हुआ कि ऐसे लोग जो आदतन निगेटिव फीलिंग्स, जैसे उदासी, डर या गुस्सा आदि से घिरे रहते हैं, अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा घबराहट और अवसाद जैसे अनुभवों का सामना करते हैं। ऐसे लोग अपने खुशहाल जीवन से भी कम ही संतुष्ट होते हैं। शोध में यह भी

सामने आया है कि अक्सर शरीर के बढ़ने के साथ ही लोग अपने निगेटिव इमोशन का सामना करने की बजाय उसे हेल्दी और बेहतर मानने लगते हैं। ये उनके मानसिक स्वास्थ्य पर खराब असर डालता है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में इमोशन का अध्ययन करने वाले सामाजिक मनोवैज्ञानिक आइरिस मौस का कहना है कि हम में से कई लोगों का विश्वास है कि इमोशन होना ही खराब बात है और हमारे मेंटल हेल्थ की स्थिति के जिम्मेदार इमोशन ही हैं। मगर ऐसा नही हैं। अधिकतर बार इमोशन हानिकारक नहीं होते हैं। इमोशन के लिए कहा जा सकता है कि ये एक ऐसा निर्णय है जिसमें अंत में दुखी होने की संभावना बनी रहती है। भावनाओं को टालना या दबाना उल्टा भी पड़ सकता है। इमोशन का विरोध करना जरूरी है, भागने से नकारात्मकता बढ़ती है क्लीवलैंड क्लिनिक में इमोशन पर रिसर्च करने वाली डॉ. अमांडा शालक्रॉस का मानना है कि जो विरोध करता है, वह बना रहता है। जब आप अपने इमोशन से भागते हैं तो आप लंबे समय तक नकारात्मक मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का अनुभव करने के लिए मजबूर हैं। जिंदगी में कितने दोस्त जरूरी हैं? इस पर आपने कभी गौर नहीं किया होगा। पर हाल में आई किताब में दावा किया है कि बहुत ज्यादा दोस्त होना अच्छी बात नहीं है। सोशल मीडिया के दौर में दोस्तों का भारी-भरकम नेटवर्क होना सामान्य है। पर ब्रिटेन की चर्चित लेखक और रिलेशनशिप एक्सपर्ट एलिजाबेथ डे कहती हैं, 'बहुत सारे करीबी दोस्त होने से आप पर नकारात्मक असर पड़ सकता है। लोग आपको कम गंभीर समझने लगते हैं।' 'फ्रेंडहॉलिक' में एलिजाबेथ ने कहा- दोस्त चार से पांच ही बेहतर हैं अपनी नई किताब 'फ्रेंडहॉलिक' में एलिजाबेथ ने बताया है कि अच्छी मानसिक सेहत के लिए दोस्त चार से पांच ही बेहतर हैं। इससे ज्यादा हैं, तो फायदा कम या फिर बिल्कुल ही नहीं होता। सात से ज्यादा दोस्त बनाए रखने की प्रवृत्ति को अवसाद के लक्षणों में बढ़ोतरी से जोड़कर देखा जाता है। एलिजाबेथ ने इस तथ्य को खुद से जोड़ा। दरअसल लॉकडाउन में लंबे वक्त तक उन्होंने अकेलापन महसूस किया। वह कहती हैं, 'इस दौरान मैंने बड़ी संख्या में दोस्त बनाए और उनसे जुड़ी भी रही। पर सभी से संपर्क बनाए रखना मुमकिन नहीं हुआ। बहुतों को तो मैं जानती भी नहीं। इसलिए कुछ लोगों की बुरी दोस्त भी साबित हुई।' एलिजाबेथ कहती हैं, जिन लोगों के लिए आप सब कुछ छोड़ देते हैं। सुबह 4 बजे भी उनके कॉल अटैंड करते हैं। आपको भरोसा रहता है कि संकट में वो आपके साथ खड़े रहेंगे। ऐसे लोग मुट्ठीभर ही होते हैं।

वैज्ञानिक बना रहे हैं रोबोटिक केंचुए:जो काम मशीनें नहीं कर सकतीं, वो काम करेंगे केंचुए; ये इनोवेशन रोबोटिक्स की दुनिया के लिए अहम

कई दशकों से वैज्ञानिक सॉफ्ट रोबोट डेवलप करने में जुटे हैं। ये रोबोट उस जीव से प्रेरित हैं, जिन्हें अमूमन किसी काम का नहीं समझा जाता यानी बिना रीढ़ के केंचुए। हालांकि, केंचुओं की खूबियां अपने-आप में काफी अनूठी हैं। मसलन ये मिट्टी में काफी अच्छी खुदाई कर सकते हैं और आसानी से कहीं भी घुस और मुड़ सकते हैं।
स्वीडिश यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस की रिसर्चर एल्सा एराजोला कहती हैं कि केंचुए काफी फ्लेक्सिबल होते हैं। केंचुए कुछ ऐसे काम कर सकते हैं जो अभी मशीन भी नहीं कर सकतीं। यही वजह है कि रोबोटिक्स केंचुए विज्ञान, रक्षा, चिकित्सा, कृषि जैसे कई क्षेत्रों में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। ऐसा रोबोट बनाया गया, जो केंचुए की तरह है
इटैलियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) के सॉफ्ट रोबोटिक्स ग्रुप के शोधकर्ताओं ने एक ऐसा रोबोट बनाया है जो केंचुए की तरह सरक-सरक कर चल सकता है। IIT की मैकेनिकल इंजीनियर रिध्दी दास कहती हैं, 'ये डिजाइन काफी अनूठा है।
इसमें रोबोटिक केंचुए को आगे बढ़ाने और पीछे सरकाने के लिए पॉजिटिव और नेगेटिव प्रेशर का इस्तेमाल होता है। इनका बनाया रोबोटिक केंचुआ आकार में हल्के डंबल की तरह है। इसमें जेल भरा हुआ है जो इसके मूवमेंट में मदद करता है।' ऐसा इनोवेशन रोबोटिक्स की दुनिया के लिए अहम अमेरिका की नोट्रे डेम यूनिवर्सिटी की इलेक्ट्रिकल इंजीनियर यासमीन ओजकेन कहती हैं कि IIT ग्रुप का ये इनोवेशन रोबोटिक्स की दुनिया के लिए अहम है। GE के मैकेनिकल इंजीनियर दीपक त्रिवेदी कहते हैं,

चार्ल्स पटेल

'रोबोटिक केंचुए बहुत अच्छी सुरंग खोद सकते हैं।' उन्हें GE के बनाए लगभग 10 सेमी व्यास वाले रोबोट के लिए काफी संभावनाएं नजर आती हैं। माइनिंग में भी काम आ सकते हैं रोबोटिक केंचुए
GE के त्रिवेदी के मुताबिक केंचुए जैसे रोबोट का इस्तेमाल माइनिंग, एग्रीकल्चरल सेंसिंग और दूसरे ग्रहों में मिट्टी के नमूने लेने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा इनका इस्तेमाल भूकंप, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान खोज, राहत एवं बचाव ऑपरेशन में भी किया जा सकता है।
कैमरायुक्त रोबोटिक केंचुआ आसानी से छोटी से छोटी जगह जाकर दबे लोगों का पता लगा सकता है। हालांकि अभी इस दिशा में काफी काम किया जाना बाकी है। हो सकता है कुछ वर्षों के बाद आपको अपने पैरों के नीचे कोई रोबोटिक केंचुआ रेंगता नजर आए।

सेहत की बात: कटे फलों पर नमक या शक्कर डालकर खाना हानिकारक, सेहत को हो सकता है ये नुकसान

महेक जोबनपुत्रा

क्या आपने गर्मियों में तरबूज पर नमक छिड़क कर या अमरूद पर चाट मसाला मिलाकर खाया है? खरबूजे में चीनी मिलाकर स्वाद लिया है? अक्सर लोग ताजे फलों को काटकर खाते हैं या उनका सलाद बनाते हैं। फ्रूट सलाद बनाने के लिए कटे हुए फलों पर लोग चाट मसाला या नमक छिड़कते हैं। इससे फल का स्वाद बढ़ जाता है। घर पर प्याज, खीरा आदि भी काटकर सलाद बनाते हैं और उसमें नमक मिलाते हैं। कई बार फल की मिठास को और बढ़ाने के लिए लोग कटे फलों में चीनी मिला लेते हैं। अगर

आपको भी कटे फलों में ऊपर से शक्कर, नमक या चाट मसाला डालकर खाना पसंद है तो सावधान हो जाइए। इस तरह के फलों का सेवन सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। फल के सेवन का सही तरीका जानें ताकि सेहत पर बुरा असर न पड़े। फल में नमक मिलाकर खाने के नुकसान विशेषज्ञों के मुताबिक, कटे फल पर नमक छिड़कने पर वह पानी छोड़ने लगता है।
इस से फल में मौजूद न्यूट्रिएंट्स खत्म हो जाते हैं। वहीं नमक या चाट मसाले में मौजूद सोडियम किडनी पर असर करता है। अगर आप नमक के साथ चाट मसाला भी मिलाते हैं, तो शरीर में सोडियम की मात्रा ज्यादा हो जाती है, क्योंकि चाट मसाले में भी नमक होता है। फल में शक्कर मिलाकर सेवन के नुकसान फल में प्राकृतिक मिठास होती है। फलों में ग्लूकोज भी पाया जाता है, जो कैलोरी बढ़ाता है। ऐसे में अगर आप कटे फलों में ऊपर से चीनी मिलाते हैं, जो शरीर में मिठास की मात्रा अतिरिक्त हो जाती है। इससे डायबिटीज की समस्या बढ़ सकती है। अतिरिक्त शर्करा से वजन भी बढ़ता है। जो मरीज मधुमेह से पीड़ित हैं उनके लिए फलों में ऊपर से चीनी मिलाकर खाना नुकसानदायक हो सकता है। फल खाने का तरीका
फलों के सेवन का एक सही तरीका होता है। अक्सर लोग खाने के साथ ताजे फलों का बना सलाद खाते हैं। भारतीय भोजन में कार्ब और कैलोरी भरपूर मात्रा में होती है। लेकिन जब हम भोजन के साथ फल का सेवन करते हैं तो कार्ब और कैलोरी बढ़ जाती है। ऐसे में भोजन में कार्ब की मात्रा को कम करके फल साथ में खा सकते हैं। वरना खाना और फल को एक साथ मिक्स करके न खाएं।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष राशि : इस सप्ताह आपको आशाजनक समाचार ज्ञात होंगे। आपकी योजनाएं सफल होंगी। आपके लिए यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। आपका आत्मविश्वास समस्याओं से बाहर निकलने में मदद करेगा। पुरानी समस्याओं से जल्द ही बाहर निकलेंगे और शनिवार से समय आपके पक्ष में होगा। ।

वृषभ राशि : अत्यधिक कार्य, अनावश्यक तनाव बढ़ाने वाला हो सकता है। स्वयं पर भरोसा रखना ज्यादा श्रेयस्कर होगा। आपको अपने लक्ष्य को पाने में कठिनाई होगी और घरेलू विवाद भी बढ़ सकते हैं। रुका हुआ धन वापस मिलने के योग हैं। सप्ताह के अंत तक आपको प्रसन्नता की प्राप्ति होगी एवं संतान से सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन राशि : इस सप्ताह भाग्य आपका साथ देगा और योजनाएं सफल होंगी। आपकी अपेक्षाएं पूर्ण होंगी एवं सुखदायक यात्राएं हो सकती है। आपकी आय अच्छी बनी रहेगी। मंगल एवं बुधवार को कार्य की अधिकता होगी। पिता से सहयोग प्राप्त होगा। अटके हुए धन की प्राप्ति होगी। ऋण की समस्याएं समाप्त होंगी। वर्कप्लेस पर सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशि : सप्ताह के आरंभ में वैचारिक अस्थिरता रहेगी एवं शुभचिंतकों के प्रति संशय हो सकता है। चंद्र की स्थिति मंगल एवं बुधवार से सुधार करेगी एवं संयम का विकास होने के साथ ही वित्तीय सुधार होंगे। परिवार के लिए समय निकालने में कठिनाई होगी। अनअपेक्षित लोगों से सहयोग लेना पड़ सकता है। गुरु एवं शुक्रवार को व्यस्तता अधिक रहेगी।

सिंह राशि : उपेक्षा करने वाले भी समर्थन करेंगे एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त होगा। वित्तीय मामलों में बड़ी सफलता प्राप्त होगी एवं स्थायी संपत्ति को प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी एवं सम्मान प्राप्त होगा। मंगल एवं बुधवार को चिंताएं बढ़ेंगी एवं व्यय की अधिकता होगी। निकट के लोग भी दूर जा सकते हैं।

कन्या राशि : रवि एवं सोमवार अजीब सी स्थिति में रहेंगी। विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे। कार्य मे मन नहीं लगेगा एवं नकारात्मकता हावी रहेगी। षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। मंगल एवं बुधवार को अच्छे दिन रहेंगे।आय बढेगी एवं योजनाएं सफल होंगी। मित्रों से मदद मिलेगी। गुरु एवं शुक्रवार को पुनः समस्याएं आ सकती हैं। कुछ बेकार की बातें परेशान कर सकती हैं। आय कमजोर रहेगी एवं ऋण लेने की आवश्यकता हो सकती है।

तुला राशि : संतान से सहयोग प्राप्त होगा। अति उत्तम समय सभी ओर विजय एवं यश की प्राप्ति कराएगा। मंगल एवं बुधवार को कोई विरोध विचारों को कुंठित कर सकता है। ग्रहों का सहयोग राजोचित सम्मान भी दिलाएगा।वाहन एवं अन्य सुखों को प्राप्त करेगें। गुरु एवं शुक्रवार को बेहतर समय रहेगा। आय की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशि : आपके लिए समय उतार- चढ़ाव भरा हो सकता है। पूर्व में किए निर्णय पर पछतावा होगा। आपको अनावश्यक समस्याएं आ सकती है। आपके बुद्धिमता पूर्ण कार्यों में कोई बराबरी नहीं कर पाएगा एवं एक साथ कई सफलता को प्राप्त करने का समय है। गुरु एवं शुक्रवार को विरोधी हावी होने का प्रयास करेंगे।

धनु राशि : आपका पराक्रम श्रेष्ठ बना रहेगा। भाइयों से सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ रहेगा। कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। समस्याओं का निदान होगा। मंगल एवं बुधवार को घरेलू मामलों में परेशानी आएगी एवं दूसरों के हित के लिए किया गया कार्य भी विरोध उत्पन्न करेगा। आपको निर्णयों में बदलाव करना पड़ सकता है।

मकर राशि : इस सप्ताह आपका संघर्ष समाप्त होगा एवं परिवार के साथ मनोरंजन में समय व्यतीत होगा। आपको मित्रों से भी सहयोग प्राप्त होगा एवं नए कार्यों की भी प्राप्ति होगी। मंगल एवं बुधवार को समय आपके पक्ष में रहेगा। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा एवं आय में वृद्धि होगी। शुक्र एवं शनिवार को मामूली तनाव रह सकता है।

कुंभ राशि : शनि एवं चंद्र की युति से बेहतरीन अवसरों की प्राप्ति होगी। यह योग सरकारी कार्यों में सफलता एवं प्रभाव में वृद्धि करने वाला होगा। समकक्षों में श्रेष्ठ रहेंगें एवं बात मनवाने में सफल होंगें। कार्यों का विस्तार संभव हैं। दान आदि देने में या दूसरों की सहायता करने में उदार हो सकते है। मंगल एवं बुधवार को स्थाई सपंत्ति से लाभ के आसार बनेंगे।

मीन राशि : द्वादश चंद्र सप्ताहारंभ में कठिनाई उत्पन्न कर सकता है। आपकी आय में कमी और व्यय में अधिकता हो सकती है। अनावश्यक तनाव बढ़ेगा एवं आय की कमी रहेगी। चिंताएं भी रह सकती हैं। मंगल एवं बुधवार को कार्यो में गति आएगी तथा वित्तिय सुधार होगा। विचारों में उत्तेजना रहेगी एवं व्यवस्था के साथ स्वभाव के अनुसार समायोजन कर लेंगे। गुरु एवं शुक्रवार को सहयोग प्राप्त होगा। आय बढ़ेगी एवं चिंताएं समाप्त होंगी।

चुटकुले

पप्पू- यार कुछ पैसे उधार दे दे।
गप्पू- क्या हुआ यार सब ठीक ठाक
पप्पू- बीवी की उधार चुकानी है।
गप्पू- मतलब
पप्पू- मुसीबत में भी बीवी से कभी पैसे उधार लिए थे।
लेकिन अब समझ आ गया कि कभी भी बीवी से पैसे उधार नहीं लेने चाहिए।
मैंने दो साल पहले 30 हजार लिए थे!
50 हजार दे चुका हूं, अभी भी 30 बाकी हैं,
पता नहीं कौन सा हिसाब लगाती हैं।

पप्पू- चायपत्ती और पति में क्या समानता है जानते हो?
गप्पू- नहीं... तुम ही बताओ....
पप्पू- दोनों के ही भाग्य में 'जलना' और 'उबलना' लिखा है।
और वो भी औरतों के हाथों....
पप्पू की बात सुनकर गप्पू जोर-जोर से ठहाके लगाने लगा।

गार्डियंस ऑफ द गैलेक्सी के निर्देशक जेम्स गन, जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहते हैं। गन कहते हैं कि वे अमेजिंग और कूल हैं!

मार्वल सिनेमैटिक यूनिवर्स प्रस्तुत गार्डियंस ऑफ़ द गैलेक्सी की तीसरी और अंतिम किस्त बस आने ही वाली है। लेकिन 5 मई को फिल्म के सिनेमाघरों में प्रदर्शन से पहले ही दर्शक इसे देखने के लिए उत्सुक हैं क्योंकि, दुनिया भर के समीक्षकों ने फिल्म के लिए बहुत सकारात्मक प्रतिक्रियाएं व्यक्त की हैं।निर्देशक जेम्स गन का MCU के साथ यह आखिरी प्रोजेक्ट है, लेकिन अब तक की यात्रा निसंदेह उल्लेखनीय और यादगार रही है।हाल ही में एक भारतीय प्रकाशन संस्था के साथ एक साक्षात्कार में जेम्स ने कहा कि वह हमारे अपने भारतीय अभिनेता जूनियर एनटीआर के साथ काम करना चाहते हैं।जब निर्देशक से पूछा गया कि क्या वह किसी भारतीय अभिनेता को गार्डियंस यूनिवर्स में पेश कर सक... 20 फरवरी को प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वह उन 11 दोषियों के लिए मौत की सजा की मांग करेगी जिनकी सजा को गुजरात हाईकोर्ट ने आजीवन कारावास में बदल दिया था।

महाराष्ट्र के रायगढ़ में गहराया जल संकट, बांधों में बचा सिर्फ 35 फीसदी पानी

महाराष्ट्र के तटीय रायगढ़ जिले में पानी का संकट गहरा गया है। हालात ये हैं कि स्थानीय प्रशासन को राहत के तहत पानी के टैंकर रायगढ़ भेजने पड़ रहे हैं। मौजूदा वक्त में रायगढ़ के विभिन्न बांधों में सिर्फ 35 प्रतिशत पानी ही बचा हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि कुल 35 गांवों और 113 बाड़ियों में जल संकट ज्यादा है और आने वाले दिनों में यह आंकड़ा कई गुना बढ़ सकता है। रायगढ़ में पुराना है जल संकट अधिकारियों का कहना है कि इस साल राहत कामों में सात करोड़ रुपए से ज्यादा की रकम खर्च हो सकती है। खासकर करजत, खालापुर, पेन, महाड, पोलादपुर और सुधागढ़ तहसील के गांवों में हालात काफी खराब हैं। बता दें कि इस इलाके में पानी की कमी एक बड़ी समस्या है। साल 2012-13 में यहां पानी से राहत कार्यों में 66 लाख से ज्यादा रुपए खर्च हुए थे, जो 2021-22 में बढ़कर करीब 10 करोड़ रुपए हो गए। रायगढ़ के जितने भी बांध हैं, उनमें से सात में 40 फीसदी से कम पानी बचा है। वहीं अन्य आठ में 40 फीसदी से ज्यादा पानी है।

बेहतर स्वास्थ्य व पर्यावरण के लिए अध्यात्म है जरूरी, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने की जागरूकता मिशन शी (SHE) की शुरूआत

बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए अध्यात्म की महत्ता के बारे में लोगों को जागरूक करने की दिशा में शी (स्प्रिचुअलिटी फ़ॉर हेल्थ एंड एनवायरनमेंट) द्वारा लाइफ यात्रा मुम्बई कॉन्क्लेव का सफल आयोजन किया गया। यशवंतराव चव्हाण सेंटर, मुंबई में लाइफ यात्रा समागम के रूप में इस अनोखे कॉन्सेप्ट का अनावरण किया गया। जहां मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत उपस्थित थे। शी (SHE) किशोर कुमार मोहता (संस्कार टीवी चैनल और भक्ति सागर चैनल के संस्थापक) और आईएचडब्ल्यू काउंसिल के सीईओ कमल नारायण द्वारा शुरू की गई पहल है। इस खास मौके पर कार्यक्रम में शामिल होने वाले अन्य गणमान्य व्यक्ति थे बी के करुणा भाई, ट्रस्टी, ब्रह्मा कुमारिस, बी वी जी ग्रुप के चेयरमैन और एमडी हनमंतराव गायकवाड़, डॉ संजय महेश्वरी, डॉ हेमा, फ़िल्म अभिनेत्री मधु, होम्योपैथ डॉ. आशर शेख, किरण चव्हाण ,डॉ हेमा दिवाकर और कुनिका सदानंद सहित तमाम VVIP लोग मौजूद थे।गुजरात के गवर्नर सहित सभी मेहमानों ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। कमल नारायण व किशोर मोहता ने गवर्नर आचार्य देवव्रत को सम्मानित किया। उसके बाद माननीय राज्यपाल, कमल नारायण व किशोर मोहता ने फ़िल्म ऐक्ट्रेस मधु सहित कई खास हस्तियों को सम्मानित किया।गुजरात के राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत ने बताया कि मुझे जब इस कार्यक्रम के लिए बुलाया गया तो मैंने इस इवेंट के मिशन को जाना और मैंने तत्काल यहां आने की अनुमति दे दी। किशोर कुमार मोहता जी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो बोलते कम हैं करते ज्यादा हैं। इन्होंने स्वास्थ्य, पर्यावरण, भारतीय सभ्यता संस्कृति और अध्यात्म पर फोकस करके बेहतर समाज का निर्माण करने वाले एक मिशन की शुरुआत की है। आज सुख, शांति, आनंद, संतोष कम होता जा रहा है। झूठ, फरेब, बेईमानी, अशांति, दुराचार, भ्रष्टाचार, बेइंसाफी, खून खराबा बढ़ता जा रहा है। लोग आज घर का खाना न खाकर होटलों का खाना खा रहे हैं, जो हफ़्तों पहले से फ्रिज में रखे होते हैं, खेतों में ज़हर डाला जा रहा है, हम जब ऐसे खाने खाएंगे तो बीमार पड़ेंगे। जब हम अपने खेत, पानी, खाने को प्राकृतिक रखेंगे तभी बेहतर सेहत पाएंगे, मैंने लाखो किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ा है। शी बहुत ही बेहतर पहल है।बी वी जी ग्रुप के चेयरमैन और एमडी हनमंतराव गायकवाड ने कहा कि शी एक अलग तरीके का

काम है जो किशोर मोहता और कमल नारायण ने शुरू किया है। बी वी जी इसमे काफी एक्टिव सपोर्ट दे रहा है। दवा मुक्त जीवन और प्रिवेंटिव हेल्थ केयर के क्षेत्र में हमें काम करने की जरूरत है। आज किडनी फेलियर सहित कई प्रकार की बीमारियां लोगों में बढ़ गई हैं। बी वी जी पिछले कई वर्षों से आयुर्वेद के क्षेत्र में इन बीमारियों से मुक्ति के लिए काफी रिसर्च का काम कर रही है। हर्बल दवाओं से कैंसर जैसी बीमारियों का इलाज संभव है। पुणे में हमारा वेलनेस सेंटर है, वहां के हेल्पलाइन नंबर 9090772424 पर फोन करके रोगी हर प्रकार की जानकारी पा सकते हैं। लिवर ट्रांसप्लांट, किडनी फेलियर, कैंसर जैसी घातक बीमारियों की हमारे पास प्रभावी दवाएं हैं जो काफी शोध करके बनाई गई हैं। आईएच डब्लू के सीईओ कमल नारायण ने कहा कि आज तरह तरह की बीमारियों और पर्यावरण प्रदूषण को लेकर हर कोई परेशान है। पर्यावरण से हमारा स्वास्थ्य जुड़ा हुआ है। लोगों को सेहत, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए एक अनोखा प्रोग्राम शी लांच किया गया है जिसमें अध्यात्म के द्वारा सेहत की देखभाल पर जोर दिया जा रहा है।

अगर हम स्प्रिचुअलिटी के माध्यम से अपने स्वास्थ्य और पर्यावरण को बेहतर करने का प्रयास करेंगे तो एक श्रेष्ठ समाज और बेहतर जीवनशैली विकसित कर सकेंगे।किशोर मोहता ने कहा कि आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच आवश्यक संतुलन के बारे में लोगों के बीच जागरूकता के मिशन के साथ एक ऐतिहासिक पहल SHE एलायंस की शुरुआत की गई है। एसएचई (SHE) अभियान के हिस्से के रूप में हमने 'एसएचई-एलायंस' की स्थापना की है। अध्यात्म भारतीय संस्कृति के मूल में है और स्वस्थ जीवन शैली और स्वस्थ शरीर और मन का संदेश हमारे धार्मिक और पौराणिक ग्रंथों में निहित है। शरीर को स्वस्थ रखना मनुष्य का पहला फर्ज बताया गया है।फूल और कांटे फेम एक्ट्रेस मधु ने कहा कि शी स्प्रिचुअलिटी, हेल्थ और एनवायरनमेंट से जुड़ी हुई पहल है जो आज के समाज का सबसे महत्वपूर्ण और जरूरी विषय है। मुझे खुशी हुई इस मिशन में शामिल होकर और मैं इसके सभी आयोजकों को ढेर सारी शुभकामनाएं और बधाई देती हूं।"डॉ संजय महेश्वरी ने बताया कि शी की यह पहल विज्ञान और अध्यात्म के एक साथ काम करने के तरीके पर ज़ोर देगी। 'एसएचई-एलायंस' लोगों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने और बीमारियों को रोकने के लिए काम करेगा, जिससे प्रकृति के साथ स्वस्थ, रोग मुक्त जीवन जीने में मदद मिलेगी। प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति पूरे विश्व को अध्यात्म, पर्यावरण और स्वास्थ्य के संतुलन की शिक्षा देती आ रही है। यह पहल उसी सोच का एक्सटेंशन है। 'एसएचई-एलायंस' का कॉन्सेप्ट माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट' पहल को आगे बढ़ाएगी।डॉ अशर शेख ने कहा कि होमियोपैथी में कई जटिल बीमारियों का इलाज संभव है, हमें सेहत के प्रति जागरूक होना होगा। आपका शरीर ही आपको बताता है कि आप किसी रोग के शिकार हुए हैं। हमें इलाज से बेहतर सावधानी और एहतियात पर अमल करना होगा।शी का यह प्लेटफॉर्म प्रमुख आध्यात्मिक व धार्मिक गुरुओं, मोटिवेशनल लीडर्स, डॉक्टर, शोधकर्ताओं, योग गुरुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिला लीडर्स को एक साथ लाएगा और लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण की देखभाल करने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करेगा। केवल भारत में ही नहीं, विश्व स्तर पर भी महिलाओं की सक्रियता और भागीदारी से समाज में यह बदलाव लाने का प्रयास किया जाएगा। एसएचई के तहत कई आयोजनों के माध्यम से लोगों को विशेष रूप से कैंसर, हाई ब्लड प्रेशर आदि से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। स्वस्थ जीवन और पर्यावरण के लिए उपयोगी स्वच्छ हवा-पानी, अच्छा भोजन और सही जीवन शैली के बारे में प्रभावी जागरूकता भी पैदा की जाएगी।जागरूकता के अन्य विषयों में मानसिक स्वास्थ्य, दवा मुक्त जीवन, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा, योग और प्रदूषण मुक्त जीवन शैली के साथ अन्य प्राचीन वैश्विक प्रणालियां शामिल हैं।

मुंबई में बंगाली नववर्ष का जबरदस्त जश्न हुवो

भारत विभिन्न जातियों, धर्मों, भाषाओं आदि की विविधताओं का एक अनूठा देश है। एकता की भावना को ऊंचा रखने और क्षेत्रीय सांस्कृतिक परंपराओं और अस्मिता को बढ़ावा देने के लिए, मुंबई स्थित बंगाली संगठन ऐकातन कल्चरल एसोसिएशन ने बंगाली नववर्ष (वर्ष बोरॉन १४३०) के उपलक्ष्य में मुंबई के कंट्री क्लब के हरे-भरे लॉन में एक उत्तम समारोह का आयोजन किया। "पोइला बैसाख के इस शुभ अवसर पर, आइए हम अपने सभी दुखों को भूल जाएं और नए साल का खुले हाथों से स्वागत करें! ऐकातन कल्चरल एसोसिएशन मुंबई की ओर से, हम मुंबई के प्रवासी बंगाली समुदाय को ढेर सारी खुशियाँ, शांति

और सफलता की कामना करते हैं! शुभ नववर्ष!" इस एसोसिएशन की गतिविधियों की अगुवाई करने वाली सास्वती और सोमदीप देब ने यह बात कही।इस खास शाम की मुख्य अतिथि विधायक डॉ भारती लवेकर ने अच्छे कार्यों के लिए संगठन की प्रशंसा की। समारोह में उपस्थित अन्य लोगों में संगठन के अध्यक्ष अंजन देब, उपाध्यक्ष शुभेंदु मुखर्जी,सचिव लोपा खरे थीं।यहां लाइव संगीत था जहां विलक्षण संगीत निर्देशक राहुल सेठ (यमला पगला दीवाना से प्रसिद्ध) ने भी प्रदर्शन किया, जबकि सूरज विश्वास के संगीत बैंड ने दर्शकों को बेहतर संगीत भावना में रखा।लोकप्रिय टीवी कलाकार नायरा बनर्जी और निशांत मलकानी ने भी यहां सभी को मुस्कुराने पर मजबूर किया। लोकप्रिय संगीत निर्देशक प्रीतम की मां अनुराधा चक्रवर्ती, प्रसिद्ध वकील बेनी चटर्जी और निर्माता मुश्ताक नाडियाडवाला भी इस खुशी के अवसर का हिस्सा बनने पहुंचे।यहां मुंह में पानी लाने वाला बंगाली फूड स्टॉल भी था।एसोसिएशन के बारे में बता दें कि ऐकातन कल्चरल एसोसिएशन मुंबई ने हमारे और समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच दोस्ती, सद्भावना और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आम पारंपरिक उत्सव के अवसरों को मनाने के उद्देश्य से खुद को एकजुट करने का फैसला किया है।इसके कुछ प्रमुख उद्देश्य हैं-✓ त्यौहार - दुर्गा पूजा सबसे बड़े आयोजनों में से एक है; यह सिर्फ एक धार्मिक आयोजन नहीं है बल्कि समाज के विभिन्न हिस्सों तक पहुंचने और बंगाली परंपराओं का जश्न मनाने के लिए आगे जाता है।✓ सांस्कृतिक गतिविधियाँ - सांस्कृतिक गतिविधियाँ एसोसिएशन की जीवन रेखा हैं।✓ सामाजिक प्रतिबद्धता - यह दृढ़ता से मानता है कि समाज में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें मदद की आवश्यकता होगी।✓ प्रतिभा की खोज - एसोसिएशन युवा और स्थापित दोनों तरह के लोगों की उपलब्धियों पर गर्व करता है। मुंबई प्रतिनिधी रमाकांत मुंडे

केंद्रीय मंत्री श्री पियूष गोयल ने किया टॉप निर्यातकों को 49 वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (आयजीजेए) से सम्मानित

एमएसएमइ रत्न और आभूषण निर्यातकों के लिए सिपझ मुंबई में जीजेइपीसी के मेगा कॉमन फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन सितंबर २०२३ में होगा - पीयूष गोयल. जेम एंड ज्वैलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (जीजेईपीसी) ने मुंबई में इंडिया जेम एंड ज्वैलरी अवार्ड्स (आईजीजेए) के ४९वें संस्करण का आयोजन किया। माननीय मुख्य अतिथि श्री पीयूष गोयल वाणिज्य और उद्योग मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा, भारत सरकार ने पुरस्कार समारोह के दौरान २७ टॉप रत्न और आभूषण निर्यातकों को सम्मानित किया। आयजीजेए का ४९वां संस्करण जीआयए द्वारा संचालित और इसीजीसी द्वारा सह-भागीदार था। मुंबई में बेल्जियम के महावाणिज्यदूत श्री फ्रैंक गीर्केंस सम्मान के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर श्री विपुल शाह, अध्यक्ष, जीजेपीईसी; जीजेईपीसी के उपाध्यक्ष श्री किरीट भंसाली; श्री नीलेश कोठारी, सह-संयोजक, पीएमबीडी, जीजेईपीसी; श्री सब्यसाची राय, कार्यकारी निदेशक, जीजेपीईसी तथा अन्य लोगों ने भी इस समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज की।इंडिया जेम एंड ज्वैलरी अवार्ड में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए माननीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा, "समय टैक्नोलॉजी (प्रौद्योगिकी), इनोवेशन (नवाचार), मॉडर्निटी (आधुनिकता) और उद्यमिता को दर्शाता है। यह हम में से प्रत्येक के लिए और आपके उद्योग के अन्य हितधारकों के लिए है। अवसर को भुनाने के लिए, जैसा कि प्रधान मंत्री

मोदी ने कहा था, ये ही समय है, सही समय है। यह वही समय है और दुनिया आप सभी की ओर देख रही है। मुझे यकीन है कि आपकी उद्यमशीलता की भावना आपकी क्षमताओं के साथ जुड़ने की है नवाचार, नए विचारों, अपने उत्पाद और ब्रांड के बजट के नए तरीकों के साथ एक आधुनिक दुनिया, प्रौद्योगिकी का उपयोग करके नए उत्पादों को डिजाइन करना - लैब ग्रोन डायमंड इसका एक उदाहरण हैं - मुझे यकीन है कि आप इस अवसर का लाभ प्राप्त करेंगे और सरकार द्वारा की गई कई पहलों की मदद से रत्न और आभूषण क्षेत्र की वास्तविक क्षमता को उजागर करेंगे।"पीयूष गोयल ने आगे कहा, "हमारे निर्यातकों ने सबसे चुनौतीपूर्ण समय के दौरान निर्यात में ७७० बिलियन अमरीकी डालर का उत्पादन करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। यह उपलब्धि शामिल सभी स्टेकहोल्डरों की कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छा शक्ति को दर्शाता है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते हैं, हमें विश्वास है कि हमारा क्षेत्र विकास और विस्तार करना जारी रखेगा, और हम अगले कुछ वर्षों में निर्यात में २ ट्रिलियन अमरीकी डालर तक पहुंचने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर अपना लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं।उन्होंने आगे कहा कि "रत्न और आभूषण उद्योग को वैश्विक बाजार में खुद को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए डिजाइन और शिल्प कौशल की अपनी समृद्ध विरासत का लाभ उठाना चाहिए।" सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए, जीजेईपीसी के अध्यक्ष श्री विपुल शाह ने केंद्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल जी को वित्तीय वर्ष २०२२-२३ के लिए भारत से मर्चेंडाइजिंग और सर्विस दोनों को मिलाकर कुल निर्यात में $७७० बिलियन के विशाल लक्ष्य की उपलब्धि के लिए बधाई दी।वित्त वर्ष २०२२-२३ के लिए निर्यातक के प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने कहा, "हम सरकार के बहुत आभारी हैं। भारत यूएई सीईपीए समझौते के परिणामस्वरूप मध्य पूर्व में गोल्ड ज्वेलरी के निर्यात में कई गुना वृद्धि हुई है। भारत यूएइ सीईपीए हस्ताक्षर करने के एक साल पूरा होने के मौके पर जीजेईपीसी ५ मई २०२३ से ३६५ दिनों की एक्जीबिशन इंडिया ज्वेलरी एक्सपोजिशन या आईजेईएक्स दुबई का उद्घाटन करेगी। मुंबई प्रतिनिधी रमाकांत मुंडे

भाजपा से सपा तक के लिए सिरदर्द हैं निर्दलीय, जानें इनसे क्यों हारते हैं बड़े दल के उम्मीदवार?

यूपी में नगर निकाय चुनाव दो चरणों में होना है। पहले चरण में नौ मंडलों के 37 जिलों में चार मई को मतदान होगा, जबकि बाकी नौ मंडलों के 38 जिलों में दूसरे चरण में 11 मई को मतदान होगा। इसके बाद सभी 75 जिलों में 13 मई को मतगणना होगी। लगभग सभी दलों के प्रत्याशियों का एलान हो चुका है और नामांकन की प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। राष्ट्रीय से लेकर क्षेत्रीय राजनीतिक दलों के प्रत्याशी तक चुनाव में ताल ठोक रहे हैं। हालांकि, इन सबके सामने एक बड़ी चुनौती भी है। ये चुनौती है निर्दलीय उम्मीदवारों की। हर बार की तरह इस बार भी निकाय चुनावों में कई नेता पार्टी से टिकट न मिलने पर निर्दलीय मैदान में उतर चुके हैं तो कई खुद की राजनीति चमकाने के इरादे से। कई ऐसे भी हैं, जो सामाजिक कार्यों में जुटे रहते हैं और फिर पार्षद, नगर पंचायत, नगर पालिका जैसे चुनावों के जरिए राजनीतिक मैदान में उतर जाते हैं। इस बार भी ऐसे कई चेहरे मैदान में हैं। आंकड़े देखें तो ऐसे निर्दलीय प्रत्याशियों से राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को बड़ा खतरा होता है।

नगर पालिका, नगर पंचायत में तो निर्दलीय प्रत्याशियों के जीत का आंकड़ा दलों वाले उम्मीदवारों से कहीं अधिक है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ये निर्दलीय प्रत्याशी ऐसा क्या करते हैं कि लोग उन्हें बड़े से बड़े दलों के प्रत्याशियों को किनारे करके वोट दे देते हैं? पिछली बार निर्दलीय प्रत्याशियों के जीत का क्या आंकड़ा था? आइए समझते हैं... पहले जानिए 2017 के आंकड़ेपिछले नगरीय निकाय चुनाव नवंबर 2017 में तीन चरणों में हुए थे। 75 जिलों के कुल 652 नगरीय निकायों के नतीजे एक दिसंबर 2017 को आए। इसमें राज्य की सत्ताधारी भाजपा ने एकतरफा जीत दर्ज की थी। उसने 16 महापौर पद में से 14 पर कब्जा जमाया था जबकि दो पद बसपा के खाते में गए थे। 1300 नगर निगम पार्षद पद की बात करें तो भाजपा ने सबसे ज्यादा 596 सीटों पर जीत हासिल की थी। भाजपा के बाद दूसरे नंबर पर जीत हासिल करने वाले निर्दलीय प्रत्याशी ही थे। 225 निर्दलीय प्रत्याशियों को इसमें सफलता मिली थी। इसके बाद समाजवादी पार्टी ने 202, बहुजन समाज पार्टी ने 147, कांग्रेस ने 110 और बाकी पर अन्य ने जीत दर्ज की थी। 198 सीटों पर नगर पालिका परिषद अध्यक्ष के चुनाव हुए थे। इनमें से भाजपा के खाते में 70, सपा ने 45, बसपा ने 29, कांग्रेस ने नौ और एक सीट भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने जीती थी। भाजपा और सपा के बाद तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी ही थे।

चुनाव में कुल 43 निर्दलीय उम्मीदवार जीत हासिल कर नगर पालिका अध्यक्ष बने। अब नगर पालिका परिषद सदस्य के चुनाव पर नजर डाल लेते हैं। इसमें निर्दलीय प्रत्याशियों के आगे बड़े-बड़े राजनीतिक दल के उम्मीदवार फेल हो गए। चुनाव में सबसे ज्यादा 3379 सदस्य निर्दलीय निर्वाचित हुए। इसके बाद भाजपा के 923, सपा के 477, बसपा के 262, कांग्रेस के 158 प्रत्याशी चुनाव जीते थे। कुछ यही हाल नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर भी देखने को मिला। 2017 में सबसे ज्यादा 182 नगर पंचायत अध्यक्ष निर्दलीय ही निर्वाचित हुए थे। इसके बाद भाजपा के 100 प्रत्याशी चुनाव जीतकर नगर पंचायत अध्यक्ष बने। सपा के 83, बसपा के 45 और कांग्रेस के 17 नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी चुनाव जीते थे। नगर पंचायत सदस्य में भी बड़े दलों के उम्मीदवारों पर निर्दलीय भारी पड़े थे। इस चुनाव में भाजपा के 664 नगर पंचायत सदस्य बने थे। इसके बाद सपा के 453, बसपा के 218 और कांग्रेस के 126 थे।

राजनाथ सिंह ने चीनी रक्षा मंत्री से नहीं मिलाया हाथ, बीते दिन दिया था सख्त संदेश; अब शांगफू ने कही यह बात

भारत और चीन के रिश्तों में तल्खी अब भी बनी हुई है। इसका अंदाजा इस बात लगाया जा सकता है कि गुरुवार शाम को जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दिल्ली में अपने चीनी समकक्ष से मिले तो दोनों ने एक दूसरे का हाथ जोड़कर अभिवादन किया। दरअसल, भारत के रक्षा मंत्री ने बाकी सभी समकक्षों के साथ गर्मजोशी से तो हाथ मिलाया, लेकिन चीन के मंत्री ली शांगफू से हाथ मिलाने से किनारा कर लिया। इन सब के बावजूद चीनी रक्षा मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच रिश्ते स्थिर और सामान्य हैं। अन्य देशों के मंत्रियों से मिलाया हाथ भारत के रक्षा मंत्री का हाथ न मिलाना कोई आम बात नहीं है। जब भी राजनाथ सिंह किसी विदेशी समकक्ष से मिलते हैं तो हाथ मिलाकर स्वागत करते हैं। उन्होंने ईरान, कजाकिस्तान, ताजकिस्तान के अपने समकक्षों के साथ गुरुवार को भी हाथ मिलाया, जिसकी तस्वीरें भी शेयर कीं। गौरतलब है, चीन ने द्विपक्षीय बैठक शुरू होने से पहले ही दोनों देशों की सेनाओं के बीच सहयोग को फिर से शुरू करने का एक नया प्रस्ताव रखा था, लेकिन चीन के इस प्रपोजल को यह कहकर ठुकरा दिया गया कि ऐसा तभी संभव होगा जब बॉर्डर के हालात शांतिपूर्ण होंगे। चीन के रक्षा मंत्री सीमा विवाद को किनारे रख दोनों देशों के बीच नई शुरुआत की बात कह रह थे। जबकि राजनाथ ने साफ कर दिया कि आगे बढ़ने से पहले सीमा पर हालात सामान्य होने चाहिए। रिश्ते बिगड़े हैं, तो इसके लिए चीन ही जिम्मेदार है।

SPORTS खेल जगत

यशस्वी व जम्पा ने दिलाई रॉयल्स को शाही जीत

● सुपरकिंग्स को 32 रन से हराया,अंक तालिका में शीर्ष पर

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के अर्धशतक के बाद एडम जंपा और रविचंद्रन अश्विन के फिरकी के जादू से राजस्थान रॉयल्स इंडियन प्रीमियर लीग में गुरुवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 32 रन से हराकर अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। रॉयल्स, सुपरकिंग्स और गुजरात टाइटंस तीनों के 10 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट के कारण रॉयल्स की टीम शीर्ष पर है। टाइटंस ने हालांकि बाकी दो टीम के आठ की तुलना में एक मैच कम खेला है। रॉयल्स के 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सुपरकिंग्स की टीम जंपा (22 रन पर तीन विकेट) और अश्विन (35 रन पर दो विकेट) की फिरकी के सामने शिवम दुबे (33 गेंद में 52 रन, दो चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और रुतुराज गायकवाड़ (47) की उम्दा पारी के बावजूद छह विकेट पर 170 रन ही बना सकी। रॉयल्स ने इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (43 गेंद में 77 रन, आठ चौके, चार छक्के) के अर्धशतक और ध्रुव जुरेल (15 गेंद में 34 रन, तीन चौके, दो छक्के) तथा देवदत्त पडिक्कल (13 गेंद में नाबाद 23, चार चौके) के बीच पांचवें विकेट के लिए 20 गेंद में 48 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 202 रन बनाए। सवाई मानसिंह स्टेडियम में टी20 मुकाबले में पहली बार कोई टीम 200 रन के आंकड़े को पार करने में सफल रही। लक्ष्य का पीछा करने उतरे सुपरकिंग्स की शुरुआत धीमी रही। टीम ने पावर प्ले में एक विकेट पर 42 रन बनाए जो मौजूदा सत्र में शुरुआती छह ओवर में टीम का न्यूनतम स्कोर है। सुपरकिंग्स की टीम शुरुआती तीन ओवर में 13 रन ही बना सकी। गायकवाड़ ने इसके बाद मोर्चा संभालते हुए जेसन होल्डर की लगातार गेंदों पर चौका और छक्का जड़ा। गायकवाड़ ने अश्विन और जंपा की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए। अच्छी फॉर्म में चल रहे डेवोन कॉनवे हालांकि 16 गेंद में सिर्फ आठ रन बनाने के बाद जंपा की गेंद पर संदीप शर्मा को मिड ऑफ पर आसान कैच दे बैठे। गायकवाड़ भी इसके बाद जंपा की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में लांग ऑन पर पडिक्कल के हाथों लपके गए। उन्होंने 29 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा। अश्विन ने 11वें ओवर में सुपरकिंग्स को दोहरा झटका दिया। उन्होंने अजिंक्य रहाणे (15) को बटलर के हाथों कैच कराने के बाद अंबाती रायुडू (00) को भी होल्डर के हाथों कैच कराके सुपरकिंग्स का स्कोर चार विकेट पर 73 रन किया। मोईन अली ने होल्डर और युजवेंद्र चहल पर छक्के के साथ रन गति बढ़ाने का प्रयास किया जबकि शिवम दुबे ने अश्विन पर लगातार दो छक्कों के साथ 14वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। दुबे ने अगले ओवर में जंपा पर एक और छक्का जड़ा लेकिन मोईन (23) ने विकेटकीपर सैमसन को कैच थमा दिया। सुपरकिंग्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 78 रन की दरकार थी। संदीप के 16वें ओवर में सिर्फ चार रन बने। दुबे ने होल्डर के अगले ओवर में दो चौकों और एक छक्के से 16 रन जुटाए। संदीप के 18वें ओवर में रविंद्र जडेजा (नाबाद 23) ने दो चौके मारे जिससे ओवर में 12 रन बने। सुपरकिंग्स को अंतिम दो ओवर में जीत के लिए 46 रन की जरूरत थी। होल्डर के 19वें ओवर में सिर्फ नौ रन बने जिससे सुपरकिंग्स की हार लगभग तय हो गई।

स्कोरबोर्ड

राजस्थान रॉयल्स:जायसवाल रहाणे बो देशपांडे 77, बटलर का दुबे बो जडेजा 27, सैमसन का गायकवाड़ बो देशपांडे 17,हेटमायर बो तीक्षणा 08, जुरेल रन आउट 34, पडिक्कल नाबाद 27 ,अश्विन नाबाद 01,अतिरिक्तः 11,कुलः20 ओवर मे पांच विकेट परः 202 रन,विकेट पतनः I-86, 2-125, 3-132, 4-146, 5-194,**गेंदबाजीः** आकाश 2-0-32-0,देशपांडे 4-0-42-2,तीक्षणा 4-0-24-I,जडेजा 4-0-32-I,मोईन 2-0-17-0,पथिराना 4-0-48-0

चेन्नई सुपरकिंग्सः गायकवाड़ का पडिक्कल बो जंपा 47,कॉनवे का संदीप बो जंपा 08,रहाणे का बटलर बो अश्विन 15, दुबे का बटलर बो यादव 52, रायुडू का होल्डर बो अश्विन 00,अली का सैमसन बो जंपा 23,जडेजा नाबाद 23,**अतिरिक्तः** 02,कुलः20 ओवर मे छह विकेट परः 170 रन,**विकेट पतनः** I-42, 2-69, 3-73, 4-73, 5-124, 6-170,**गेंदबाजीः** संदीप 4-0-24-0,यादव 3-0-18-I,होल्डर 4-0-49-0,अश्विन 4-0-35-2 ,जंपा 3-0-22-3, चहल 2-0-21-0

आईपीएल-16 स्टेडियम से

विविधता की बजाय सटीक गेंदबाजी पर फोकस : वरुण चक्रवर्ती

बेंगलुरू। कोलकाता नाइट राइडर्स के लेग स्पिनर वरूण चक्रवर्ती का मानना है कि आईपीएल में विविधता की बजाय सटीक गेंदबाजी पर फोकस करने का उन्हें फायदा मिल रहा है। चक्रवर्ती ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ पिछले मैच में 21 रन से मिली जीत में चार ओवर में 27 रन देकर तीन विकेट लिए। मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने कहा , मैने विविधता की बजाय सटीक गेंदबाजी पर अधिक फोकस किया है।मैं एसी प्रथिबान के साथ काम कर रहा था जो चेन्नई में मेरे स्पिन कोच थे। इससे काफी मदद मिली। जो कुछ भी अभिषेक नायर (केकेआर के सहायक कोच) कहते हैं , उससे मुझे हमेशा फायदा मिलता है।मेरी वापसी में इन दोनों की अहम भूमिका रही। यूएई में टी20 विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे चक्रवर्ती 11 मैचों में छह विकेट ही ले सके थे। आरसीबी के खिलाफ मिली कामयाबी पर उन्होंने कहा , यह काफी चुनौतीपूर्ण मैदान है। हमने अपनी रणनीति बनाई थी। हमने सुनिश्चित किया था कि गेंदबाजी पर चर्चा के लिए अलग से बैठकों हो। इसका फायदा मिला। आपको हर गेंद पर आत्मविश्वास होना चाहिए। उसमें चूकने पर गेंदबाजी में फायदा नहीं मिलता।

चोट के कारण सुंदर आईपीएल से बाहर

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद के हरफनमौला वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बृहस्पतिवार को आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो गए जिससे खराब फॉर्म से जूझ रही उनकी टीम को एक और झटका लगा है। टीम ने सुंदर की चोट और बाकी सत्र के लिए उनके उपलब्ध नहीं होने की जानकारी दी। टीम ने ट्वीट किया , वाशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग चोट के कारण आईपीएल 2023 के बाकी मैच नहीं खेल सकेंगे। उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना। सुंदर ने अभी तक सात मैचों में 8 . 26 की इकॉनामी से तीन विकेट लिए और 60 रन बनाए। सनराइजर्स सात मैचों में महज दो जीत के बाद दस टीमों में नौवे स्थान पर है।

बीसीसीआई केंद्रीय अनुबंध : रिचा, जेमी का प्रमोशन, शिखा बाहर

नई दिल्ली।युवा विकेटकीपर रिचा घोष और जेमिमा रौड्रिग्स को बीसीसीआई के 2022 . 23 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध में बी ग्रेड में प्रमोशन मिला है जबकि शिखा पांडे और तानिया भाटिया बाहर हो गई हैं। अनुबंध अक्टूबर से सितंबर का होता है लेकिन बीसीसीआई ने बृहस्पतिवार को इसका ऐलान किया। ए ग्रेड वाले खिलाड़ी को मैच फीस से इतर 50 लाख , बी वाले को 30 लाख और सी श्रेणी में 10 लाख रूपए मिलते हैं। बोर्ड ने ए श्रेणी में सिर्फ कप्तान हरमनप्रीत कौर, बल्लेबाज स्मृति मंधाना और हरफनमौला दीप्ति शर्मा को रखा है। स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को बी श्रेणी में डाल दिया गया है। लेग स्पिनर पूनम यादव को अनुबंध नहीं मिला है जो पिछली बार ए श्रेणी में थी। वह मार्च 2022 के बाद से भारत के लिए नहीं खेली हैं। अनुभवी तेज गेंदबाज शिखा पांडे को भी करार नहीं मिला है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर को बी श्रेणी का करार मिला है। पिछले साल महिला क्रिकेटरों के लिए समान वेतन का ऐलान करने वाले बीसीसीआई ने 17 महिला क्रिकेटरों को केंद्रीय अनुबंध दिए हैं।

सूची : ए श्रेणी : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा , बी श्रेणी : रेणुका ठाकुर, जेमिमा रौड्रिग्स, शेफाली वर्मा, रिचा घोष और राजेश्वरी गायकवाड़, सी श्रेणी : मेघना सिंह, देविका वैद्य, एस मेघना, अंजलि सरवानी, पूजा वस्त्राकर, स्नेह राणा, राधा यादव, हरलीन देयोल और यस्तिका भाटिया।

मुक्केबाज कौर सिंह का निधन, मान ने जताया शोक

चंडीगढ। एशियाई खेलो के स्वर्ण पदक विजेता मुक्केबाज कौर सिंह का कुरूक्षेत्र के एक अस्पताल मे बृहस्पतिवार को निधन हो गया। वह 74 वर्ष के थे और विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओ से जूझ रहे थे। उन्होने जनवरी 1980 मे एक नुमाइशी मैच मे महान मुक्केबाज मुहम्मद अली का सामना किया था। उन्होने दिल्ली मे 1982 एशियाई खेलो मे हैवीवेट मुक्केबाजी मे स्वर्ण पदक जीता था।

जोशी, चौरसिया, प्रणवी और अवनी क्वालीफाई

कोलकता। बेगलुरु की प्रणवी उर्स और एमेच्योर अवनि प्रशांत ने यहां ट्रायल्स मे कुल 10 अंडर 206 का समान स्कोर बनाकर संयुक्त रुप से पहला स्थान हासिल करके इस साल सितंबर मे चीन मे होने वाले एशियाई खेलो की गोल्फ प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। भारत की स्टार गोल्फर अदिति अशोक पहले ही एशियाई खेलो की टीम ने जगह बना चुकी थी। इस तरह से अब महिला गोल्फ मे भारत के तीन खिलाड़ी एशियाई खेलो मे अपनी चुनौती पेश करेगे।

ब्राजील के शब्दकोष में पेले बने एक विशेषण

साओ पाउलो। ब्राजील के एक शब्दकोष ने पेले को विशेषण के रुप मे शामिल किया है जिसके मायने है अतुलनीय, अद्वितीय और अद्भुत। मिशेलिस शब्दकोष ने बुधवार को यह घोषणा की। इसके लिए चलाए गए हस्ताक्षर अभियान मे सवा लाख से अधिक लोगो ने इस पर सहमति जताई थी। तीन बार के विश्व कप फुटबॉल विजेता पेले का दिसंबर मे 82 वर्ष की उम्र मे निधन हो गया। शब्दकोष मे लिखा गया है , ऐसा कोई जो असाधारण हो या जिसके गुण, कौशल और उत्कृष्टता का कोई सानी नही हो , पेले की तरह।

प्रीमियर लीग : लिवरपूल ने वेस्ट हैम को हराया

लंदन। प्रीमियर लीग फुटबॉल अंतिम चार मे पहुंचने की उसकी राह भले ही दुश्वार हो लेकिन लिवरपूल ने हार नही मानी है। जर्गेन क्लोप की टीम ने वेस्ट हैम को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। जोएल मातिप ने 67वे मिनट मे हेडर पर निर्णायक गोल किया। इससे पहले लुकास पाकेटा ने 12वे मिनट मे वेस्ट हैम को बढत दिलाई लेकिन कोडी गाक्पो ने लिवरपूल के लिए छह मिनट बाद बराबरी का गोल किया।

रायो से हारी बार्सीलोना , बढ़त में इजाफे से चूकी

मैड्रिड। रीयाल मैड्रिड की अप्रत्याशित हार के बाद बार्सीलोना के पास स्पेनिश लीग फुटबॉल मे अपनी बढत मे इजाफा करने का सुनहरा मौका था लेकिन टीम इससे चूक गई और रायो वालेकानो से 2-1 से हार गई। बार्सीलोना और दूसरे स्थान पर काबिज मैड्रिड के बीच 11 अंको का अंतर है। अगर बार्सीलोना यह मैच जीत जाती तो 2019 के बाद पहला स्पेनिश लीग खिताब जीतने का उसका दावा पुख्ता हो जाता क्योकि मैड्रिड को एक दिन पहले ही गिरोना ने 4-2 से हराया।

ओडिशा एफसी की सीआरपीएफ पर बड़ी जीत

अहमदाबाद। ओडिशा एफसी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुएआईडब्ल्यूएल फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने पहले मैच मे सीआरपीएफ एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त दी। ओडिशा की टीम ने शुरू से मैच पर दबदबा बनाए रखा और 20वे मिनट मे पहला गोल करने के बाद पीछे मुड़कर नही देखा। सीआरपीएफ की टीम किसी भी समय उसके सामने चुनौती पेश नही कर पाए। इस बीच ग्रुप बी के मैच मे लॉर्ड्स एफए ने शाहीबाग पुलिस स्टेडियम मे सेल्टिक बीस एफसी पर 4-0 से जीत हासिल की। एक अन्य मैच मे ईस्टर्न स्पोर्टिंग यूनियन ने एम मंदाकिनी देवी के गोल की मदद से किस्टार्ट एफसी को I-0 से पराजित किया।

नजरें केएल राहुल के स्ट्राइक रेट पर

● पंजाब और लखनऊ का अहम मुकाबला आज

पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग के अहम मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स को अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दोनों टीमों ने सात में से चार मैच जीते हैं और कठिन होती जा रही प्लेआफ की दौड़ में अब हर मैच महत्वपूर्ण हो गया है। लखनऊ की पिच बल्लेबाजी के लिए आदर्श नहीं रही है और शनिवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 136 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करते हुए हारने के बाद कप्तान केएल राहुल का स्ट्राइक रेट चर्चा का विषय बना हुआ है। राहुल का स्ट्राइक रेट अभी तक 113 . 91 रहा है लेकिन वह इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इस सत्र में पीसीए स्टेडियम पर अभी तक 200 रन नहीं बन सके हैं लेकिन पिच लखनऊ की तुलना में बेहतर है। तेज गेंदबाज मार्क वुड की गैर मौजूदगी में लखनऊ का गेंदबाजी आक्रमण कमजोर हुआ है। वुड 15 अप्रैल के बाद से एक भी मैच नहीं खेल सके हैं और टीम को उनकी जल्दी वापसी की उम्मीद है। वुड तीन मैच नहीं खेलने के बावजूद उनके लिए सर्वाधिक विकेट ले चुके हैं। दूसरी ओर पंजाब किंग्स पिछले दो मैच हारने के बाद वापसी की कोशिश में होगी। नियमित कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण तीन मैच नहीं खेल सके लेकिन इस मैच में वापसी कर सकते हैं। पंजाब ने अपनी गलतियों से कुछ मैच गंवाए हैं लेकिन अब कोई जोखिम नहीं लेना चाहेगी। शीर्षक्रम पर प्रभसिमरन सिंह और मैथ्यू शॉर्ट को टिककर खेलना होगा जबकि लियाम लिविंगस्टोन अभी तक अपनी लय में नहीं दिखे हैं। कार्यवाहक कप्तान सैम कुरेन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ उम्दा प्रदर्शन किया और वे इसे बरकरार रखना चाहेंगे। अर्शदीप सिंह नई और पुरानी दोनों गेंद से प्रभावी रहे हैं। टीम को अब कैगिसो रबाडा और नाथन एलिस में से एक को चुनना होगा जो आसान नहीं है।

मधुशंका और मेंडिस के दोहरे शतक से श्रीलंका ने आयरलैंड पर शिकंजा कसा

गॉल। निशान मधुशंका और कुसाल मेंडिस के करियर के पहले दोहरे शतकों से श्रीलंका ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन गुरुवार को यहां आयरलैंड पर शिकंजा कस दिया। श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज मधुशंका (205) और कुसाल मेंडिस (245) के दोहरे शतक से तीन विकेट पर 704 रन बनाकर पारी घोषित की। एंजेलो मैथ्यूज (114 गेंद में नाबाद 100, छह चौके, चार छक्के) ने भी शतक जड़ा। श्रीलंका का यह स्कोर गॉल पर सर्वोच्च स्कोर है। पिछला रिकॉर्ड बांग्लादेश के नाम जिसने 2013 में 638 रन बनाए थे। श्रीलंका की टीम की नजरें अब कल पांचवें दिन की पिच पर अपनी 100वीं टेस्ट जीत दर्ज करने और दो मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप करने पर टिकी हैं। पहली पारी के आधार पर 212 रन से पिछड़ने के बाद आयरलैंड ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 54 रन बनाए हैं।

सिंधू और प्रणय आगे बढ़े

● श्रीकांत एशिया चैंपियनशिप से बाहर

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने गुरुवार को यहां चीन की हेन युई पर सीधे गेम में जीत के साथ एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहे लेकिन उनके हमवतन किदांबी श्रीकांत का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। आठवीं वरीयता प्राप्त प्रणय ने प्री क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशियाई के चिको ऑरा ड्वी वार्डोयो को एक घंटा और दो मिनट में 16-21 21-5 18-21 से हराया जबकि श्रीकांत को चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाई नारोका के खिलाफ 14-21 22-20 9-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रणय अगले दौर में जापान के केंटा सुनेयामा से भिड़ेंगे। सिंधू ने इसके बाद एकतरफा प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में हेन युई को सिर्फ 33 मिनट में 21-12 21-15 से हराया।

आठवीं वरीय सिंधू क्वार्टर फाइनल में कोरिया की दूसरी वरीय आन सी यंग से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में रोहन कपूर और एन सिक्की रेड्डी की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। भारतीय जोड़ी को सियो सेउंग जेइ और चाई यू जुंग की चौथी वरीयता प्राप्त कोरियाई जोड़ी ने वाकओवर दिया। भारतीय जोड़ी अगले दौर में देजान फर्डिनानसिया और ग्लोरिया इमानुएल विदजाजा की इंडोनेशियाई जोड़ी से भिड़ेगी। बी सुमित रेड्डी और अश्विनी पोनप्पा की मिश्रित युगल जोड़ी हालांकि हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गई।

भारत को एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले दिन चार पदक

नई दिल्ली। भारत ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गुरुवार को यहां सकारात्मक शुरुआत करते हुए एक स्वर्ण पदक सहित चार पदक जीते। आरती ने सुबह के सत्र में लड़कियों की पांच किमी पैदल चाल में कांस्य पदक के साथ भारत के पदकों का खाता खोला। इसी स्पर्धा में भारत की खुशबू यादव चौथे स्थान पर रहीं। शाम के सत्र में भारतीय एथलीटों ने ट्रैक स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीते। भारत ने लड़कियों की लंबी कूद प्रतियोगिता में भी कांस्य पदक जीता। भारत ने लड़कों की 1500 मीटर स्पर्धा में स्वर्ण और रजत पदक जीता। प्रियांशु ने हमवतन राहुल को पछाड़कर स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाला। प्रियांशु ने तीन मिनट 57.37 सेकेंड का समय लिया जबकि राहुल तीन मिनट 59.43 सेकेंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

धमकाने की बात साबित होने पर फांसी पर लटकने को तैयार: बिश्नोई

● पहलवानों का धरना

महिला आयोग की अध्यक्ष ने कहा, पहलवानों के आरोपों पर दिल्ली पुलिस से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है

श्रीनगर। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की प्रमुख रेखा शर्मा ने गुरुवार को कहा कि महिला पहलवानो द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत पर उन्होने दिल्ली पुलिस आयुक्त से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है। रेखा शर्मा ने एक कार्यशाला के इतर यहां पीटीआई से कहा, हम मीडिया से बात नही कर रहे है इसका यह मतलब नही है कि हम कुछ नही कर रहे है। हमने दिल्ली पुलिस आयुक्त को लिखा है और उनसे कार्रवाई रिपोर्ट सौपने के लिए कहा है। हमने उनसे यह भी पूछा है कि उन्होने प्राथमिकी दर्ज क्यो नही की। उन्हे इस संबंध मे शिकायत मिली है और उस पर कार्रवाई की गई है। शर्मा ने कहा इसमे शिकायतकर्त्ता की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा भी शामिल है। वे नही चाहते कि उनके नाम उजागर हो। यही वजह है कि हम इस बारे मे मीडिया से बात नही कर रहे थे। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट सहित देश के चोटी के पहलवान रविवार से दिल्ली के जंतर मंतर मे विरोध प्रदर्शन कर रहे है। वे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामलो की जांच करने वाले निगरानी पैनल की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग कर रहे है।

यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली पहलवानों और उनके परिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की ओर से धमकाने के आरोपों को खारिज करते हुए कोच महावीर प्रसाद बिश्नोई ने गुरुवार को कहा कि अगर वह दोषी साबित होते हैं तो वह फांसी पर चढ़ने को तैयार हैं। विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने मीडिया से बात करते हुए हाल में दावा किया था कि बिश्नोई और हरियाणा कुश्ती संघ के महासचिव राकेश ने ना केवल पीड़ितों को धमकी दी बल्कि उन्हें चुप रहने के लिए रिश्वत की पेशकश भी की। बिश्नोई ने पीटीआई से कहा, आप पिछले कुछ दिनों के मेरे फोन रिकॉर्ड और मेरी मौजूदगी वाले स्थानों की जांच कर सकते हैं। इन आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। मुझे यह भी नहीं पता कि पीड़ित कौन हैं। अगर यह साबित हो जाता है कि मैं धमकी भरे फोन करने में शामिल हूं तो मैं फांसी पर चढ़ने को तैयार हूं। जब विरोध शुरू हुआ तब मैं अपने परिवार के साथ एक शादी में हिस्सा लेने के लिए हिसार में था। मैं कैसे जाकर पीड़ित परिवार से मिल सकता था। मुझे यकीन है कि विरोध स्थल पर कोई पहलवानों को गलत जानकारी दे रहा है। ये पहलवान मुझे वर्षों से जानते हैं। अगर किसी ने मेरा नाम लेकर उनसे कुछ कहा था तो उन्हें मेरे खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाने के बजाय मुझे स्पष्टीकरण के लिए बुलाना चाहिए था। उनका किसी के प्रति कोई गलत इरादा नहीं है और उन्हें इसमें घसीटा जा रहा है क्योंकि उन्होंने विरोध स्थल पर पहलवानों के पक्ष में खड़े नहीं होना चुना। बजरंग ने मुझे बुलाया और विरोध में शामिल होने का अनुरोध किया और मैंने यह कहकर विनम्रता से मना कर दिया कि मैं तटस्थ रहना चाहता हूं। कुश्ती के लिए जुनून के कारण मैंने अपनी सीआईएसएफ की नौकरी छोड़ दी और पहलवानों को तैयार करने में मदद करने के लिए राष्ट्रीय शिविर में शामिल हो गया। और मैंने सोनीपत के साइ केंद्र के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में ग्रीको रोमन कोच के रूप में परिणाम दिया है। मैं वहां 16 महीने रहा। मुझे नहीं पता कि वे मुझे इस मामले में क्योंकि घसीट रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने हाल ही में बिश्नोई को राष्ट्रीय शिविर के लिए बुलाया था लेकिन सोनीपत में केंद्र में शामिल होने के एक दिन बाद उन्हें जाने के लिए कह दिया गया था। इस घटना के बारे में बताते हुए बिश्नोई ने कहा, साइ ने जनवरी में राष्ट्रीय शिविर में शामिल होने वाले कोच की एक सूची जारी की थी। मैं 17 जनवरी को शिविर में शामिल हुआ था और मुझे एक कमरा भी आवंटित किया गया था लेकिन साइ ने अगले दिन एक नई सूची बनाई और बिना कोई कारण बताए मेरा नाम हटा दिया गया। मैंने कई बार साइ अधिकारियों से पूछा लेकिन किसी ने भी मुझे कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने सिर्फ इतना कहा कि मेरे वेतन पर कोई फैसला नहीं किया गया है।

बृजभूषण ने संकेत दिए कि जब तक लड़ने की ताकत है हार नहीं मानेंगे

नई दिल्ली।देश के चोटी के पहलवानो के यौन उत्पीड़न के आरोपो का सामना कर रहे भारतीय कुश्ती महासंघ के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह ने गुरुवार को संकेत दिए कि वह खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए अपनी तरफ से कोई कसर नही छोड़ेगे। भाजपा के सांसद सिंह ने वीडियो संदेश मे अपने ऊपर लगे आरोपो का जिक्र किए बिना संकेत दिया कि जब तक उनके पास लड़ने की ताकत है तब तक वह हार नही मानेगे। मित्रो, जिस दिन मै अपने जीवन की समीक्षा करूंगा कि क्या खोया क्या पाया, जिस दिन मै महसूस करूंगा कि मेरे संघर्ष करने की क्षमता अब समाप्त हो गई है, जिस दिन मै महसूस करूंगा मै लाचार हूं, मै बेचारा हूं, मै ऐसी जिंदगी जीना पसंद नही करूंगा। मै चाहूंगा कि ऐसी जिंदगी जीने के पहले मौत मेरे करीब आ जाए।

मैड्रिड : आंद्रीवा की पहली जीत, राडुकानू ने नाम वापिस लिया

मैड्रिड। रूस की 15 वर्षीय मिरा आंद्रीवा ने डब्ल्यूटीए टूर पर पहली जीत दर्ज करते हुए पूर्व अमेरिकी ओपन उपविजेता लैला फर्नांडिस को 6-3, 6- 4 से हराकर मैड्रिड ओपन के अगले दौर में जगह बनाई। कोको गॉ और सिसि बेलिस के बाद डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट का मुख्य ड्रॉ का मैच जीतने वाली वह तीसरी सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। इसके अलावा शीर्ष 50 में शामिल किसी खिलाड़ी को हराने वाली 15 वर्ष की दूसरी खिलाड़ी भी बन गई। अब उसका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त ब्राजील की बिया हदाद माइया से होगा। फ्रूतिर्तोवा को अन्ना कालिंस्काया ने 2-6, 6- 4, 6-4 से हराया लेकिन उससे एक साल बड़ी उसकी बड़ी बहन 17 वर्षीय लिंडा ने कैटी वोलिनेट्स को मात दी। अब उसका सामना फ्रेंच ओपन 2017 चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको से होगा। पूर्व अमेरिकी ओपन चैम्पियन एम्मा राडुकानू ने दाहिने हाथ की चोट के कारण नाम वापिस ले लिया।

नेशन्स हैंडबॉल चैंपियनशिप : भारतीय जूनियर पुरुष टीम सेमीफाइनल में

नई दिल्ली। भारत की जूनियर पुरुष हैंडबॉल टीम ने बुल्गारिया में 25 से 30 अप्रैल 2023 तक आयोजित चौथी आईएचएफ इमर्जिंग नेशन्स हैंडबॉल चैंपियनशिप में गुरुवार को खेले गए अपने दूसरे लीग मैच में माल्टा को एक रोमांचक मुकाबले में 33-31 गोल से हराया। इस जीत के साथ ही भारत ने ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए सेमीफ इनल का टिकट हासिल कर लिया। चैंपियनशिप में पहली बार कोई एशियाई टीम अंतिम चार में जगह बनाने में कामयाब रही है। इस मैच में भारत की ओर से अमित और मोहित ने आक्रामक अंदाज दिखाया और विरोधी के डिफेंस में लगातार सेंध लगते हुए सर्वाधिक 10-10 गोल दागे। भारतीय टीम मध्यांतर तक 15-14 के मामूली अंतर से आगे थी। टीम के अन्य खिलाड़ियों ने भी तालमेल भरा खेल दिखाया। इसमें अंकित ने 6 गोल जबकि मोहित द्वितीय ने 4 गोल किये। सुमित ने दो जबकि साहिल ने एक गोल करने में सफलता हासिल की। इसके अलावा सैमुअल ने 3 जबकि लिजियो बुहगिअर, इसाक वेल्ला, माइकल एलेन व एंथोनी ने 2-2 गोल किये। कार्यकारी निदेशक आनन्देश्वर पाण्डेय ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

नेशनल रेफरी कोर्स व ब्लैक बेल्ट परीक्षा 28 से

लखनऊ। ताइक्वांडो अकादमी ऑफ इंडिया ;टीएआईद्ध के तत्वाधान में आगामी 28 से 30 अप्रैल 2023 तक ताइक्वांडो जिम्नेजियम लालबाग लखनऊ में नेशनल इंस्ट्रक्टर कोर्सए नेशनल रेफरी कोर्स पूमसे और क्योरगीद्ध व ब्लैक बेल्ट परीक्षा का आयोजन होगा। फाउंडर एंड फादर ऑफ ताइक्वांडो इन इंडिया ग्रैंड मास्टर जिमी आर जगातियानी ने ये जानकारी देते हुए बताया कि कोर्स व परीक्षा में पूरे भारत से लगभग 200 लोग प्रतिभाग करेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन का संचालन ग्रैंड मास्टर जिमी आर जगातियानीए ग्रैंड मास्टर सोंग कुक जेओंग ;आठवीं डानद्धए ग्रैंड मास्टर महेंद्र मोहन जायसवाल ;सातवीं डानद्ध व मास्टर पीटर जगातियानी द्वारा किया जायेगा।

ड्रग तस्करी मामले में गिरफ्तार बॉलीवुड एक्ट्रेस क्रिसन परेरा शारजाह जेल से हुई रिहा

ड्रग तस्करी मामले में गिरफ्तार बॉलीवुड एक्ट्रेस क्रिसन परेरा शारजाह जेल से रिहा हो गयी हैं। यूएई की शारजाह की एक जेल में बंद अभिनेत्री क्रिसन परेरा को जेल से रिहा कर दिया गया है। बॉलीवुड एक्ट्रेस को ड्रग-स्मगलिंग मामले में गिरफ्तार किया गया था। परेरा को इस महीने की शुरुआत में शारजाह में गिरफ्तार किया गया था, जब उनके पास एक ट्रॉफी में ड्रग्स छिपा हुआ पाया गया था। 27 वर्षीय ने सड़क 2 और बाटला हाउस जैसी फिल्मों में काम किया है। मुंबई क्राइम ब्रांच ने बॉलीवुड एक्ट्रेस को ड्रग-स्मगलिंग मामले में फंसाने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया था। गिरफ्तार युगल ने कथित तौर पर क्रिसन परेरा को कैद करने के लिए ड्रग्स लगाया था। आरोपियों की पहचान मुंबई के बोरीवली निवासी एंथनी पॉल और महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के निवासी राजेश बभोटे उर्फ रवि के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों ने कथित तौर पर ड्रग्स को एक ट्रॉफी में छुपाया था जिसे क्रिसन परेरा शारजाह ले गए थे। एक्ट्रेस के परिवार के एक बयान के मुताबिक, उन्हें फंसाया गया था. इसके बाद, मामले की जांच शुरू हुई और पुलिस को पता चला कि पॉल ने अभिनेत्री की मां प्रेमिला परेरा के खिलाफ बदले की कार्रवाई के रूप में क्रिसन को फंसाने की योजना बनाई। पॉल ने अपने सहयोगी रवि के साथ मिलकर एक अंतर्राष्ट्रीय वेब श्रृंखला के लिए कथित ऑडिशन के लिए क्रिसन को संयुक्त अरब अमीरात भेजने की साजिश रची। एयरपोर्ट जाते समय उन्हें वह ट्रॉफी सौंपी गई, जिसमें उन्होंने ड्रग्स छिपा रखा था। अधिकारियों को यह भी पता चला कि पॉल ने चार अन्य लोगों को इसी तरह फंसाया था।

बड़े स्तर पर हो रही फाइटर के क्लाइमैक्स सीन की तैयारी

शाहरुख खान अभिनीत पठान की जबर्दस्त सफलता के बाद सिद्धार्थ आनंद अब अपनी अगली फिल्म फाइटर को लेकर चर्चा में हैं। इसमें ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर जैसे सितारे नजर आएंगे। फाइटर एक बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसके लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां चल रही हैं।

खासतौर से इस फिल्म के क्लाइमैक्स को शानदार बनाने के लिए मेकर्स कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। बता दें कि फाइटर को भारत में पहली एरियल फ्रेंचाइजी माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग पिछले साल असम एयरबेस पर शुरू हुई थी। मेकर्स हर तरह से इस फिल्म को परफेक्ट बनाने में जुटे हैं। कहा जा रहा है कि फाइटर का क्लाइमैक्स सीन इस फिल्म की सबसे बड़ी हाईलाइट बनने जा रहा है। दर्शकों को टिकट का पैसा वसूल कराने और फिल्म देखने का अनुभव शानदार बनाने में सिद्धार्थ आनंद कोई कमी नहीं रखना चाहते। इसके लिए सिद्धार्थ आनंद और उनकी एक्शन टीम ने पूरी कमर कस ली है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक क्लाइमैक्स की शूटिंग 120 घंटे तक की जाएगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में क्लाइमैक्स सीन 25 मिनट का होगा। इसके लिए ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर को 120 घंटे तक शूटिंग करने के लिए समय अलॉट किया गया है। बता दें कि फिलहाल फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है। इसके बाद वीएफएक्स प्रक्रिया शुरू होगी। यह फिल्म अगले साल रिपब्लिक डे के मौके पर रिलीज होगी। बात सिद्धार्थ आनंद की करें तो सलाम नमस्ते, ता रा रम पम और अनजाना अनजानी जैसी रोमांटिक फिल्मों के अलावा वह बैंग बैंग, वॉर और पठान जैसी एक्शन फिल्मों के जरिए भी खुद को साबित कर चुके हैं। पठान के बाद तो दर्शकों की उम्मीदें भी सिद्धार्थ आनंद से काफी बढ़ गई हैं। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार दर्शकों को क्या नया देखने को मिलता है।

सामंथा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर साझा कर चिट्टीबाबू को दिया जवाब

सामंथा रुथ प्रभु साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी एक्ट्रेस हैं। सामंथा इन दिनों अपनी फिल्म शाकुंतलम और आने वाली वेब सीरीज सिटाडेल को लेकर चर्चा में हैं। वहीं, बीते दिनों तेलुगू प्रोड्यूसर चिट्टीबाबू ने भी सामंथा की फिल्म शाकुंतलम को लेकर बयान दिया था। साथ ही उन्होंने एक्ट्रेस को ओल्ड कह कर तंज कसा था। इसके बाद अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। एक्ट्रेस सामंथा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उनकी पहली तस्वीर उस दौरान की है,जब वह महज 16 साल की हुआ करती थीं। इसके बाद उन्होंने अपने डॉगी की तस्वीरें साझा की हैं और बाद में ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए अपनी तस्वीर साझा की है। जैसी कि एक्ट्रेस ने बीते दिनों खुलासा किया था कि वह मायोसाइटिस नामक एक ऑटोइम्यून कंडीशन से जूझ रही है। इस समस्या से निजात पाने के लिए एक्ट्रेस हाइपरबेरिक थेरेपी लेती हैं। इस थेरेपी को लेते हुए उन्होंने इसके साथ एक तस्वीर भी साझा की है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने एक और तस्वीर साझा की है, जिसमें लिखा है- जो यह जानकर भी पेड़ लगाता है कि वह कभी भी उस पेड़ छाया में नहीं बैठेगा, उसने लाइफ का मीनिंग समझना शुरू कर दिया है। इन लाइन्स को रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा है। एक्ट्रेस ने तस्वीरों को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है- एज आई सी इट। आपको बता दें कि सामंथा और प्रोड्यूसर चिट्टीबाबू के बीच बीते दिनों नोंकझोंक देखने को मिली थी। साथ ही एक्ट्रेस ने भी बाद में प्रोड्यूसर के कान के बालों का मजाक बनाया था। दरअसल, चिट्टीबाबू ने एक्ट्रेस के करियर के खत्म होने को लेकर अपना बयान दिया था- उन्होंने कहा था कि सामंथा अब 18 या 20 साल की नहीं रह गई हैं और जिसके कारण मैंने कहा कि वह शांकुतमल जैसी बेहतरीन फिल्म में उसके किरदार के लिए सही च्वॉइस नहीं थी, तो इसमें गलत क्या है।

सामंथा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं। इसमें उनकी पहली तस्वीर उस दौरान की है, जब वह महज 16 साल की हुआ करती थीं। इसके बाद उन्होंने अपने डॉगी की तस्वीरें साझा की हैं और बाद में ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए अपनी तस्वीर साझा की है।

दाग के 50 साल पूरे होने पर शर्मिला टैगोर बोलीं, 'यश चोपड़ा के पहले वेंचर की शुरुआत का हिस्सा बनना सम्मान की बात थी'

स्वर्गीय राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर और राखी अभिनीत यश चोपड़ा की दाग को भारतीय सिनेमा की सबसे ऐतिहासिक रोमांटिक फिल्मों में से एक माना जाता है। जैसे ही फिल्म ने अपनी रिलीज़ के 50 साल पूरे किए, शर्मिला टैगोर ने यश चोपड़ा के साथ अपने सहयोग के बारे में बात की और उन्होंने बताया की किस चीज़ ने राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी को इतना प्रतिष्ठित बना दिया! इस फिल्म ने आज भारत के सबसे बड़े और एकमात्र स्टूडियो यशराज फिल्म्स की शुरुआत को भी देखा है। उन्होंने बताया, मुझे लगता है कि यह बहुत ही आश्चर्यजनक है कि दाग को बने 50 साल पूरे हो गए हैं, फिर भी फिल्म और इसके गाने इतने लोकप्रिय हैं। दरअसल, हाल ही में मनोज बाजपेयी (मैंने उनके साथ गुलमोहर बनाई थी) लगातार एक चेहरे पर दूसरे चेहरे लगा लेते हैं लोग गा रहे थे। मुझे उसे बताना पड़ा कि प्लीज इसे मत गाइए। जब मुझे दाग ऑफर की गई तो ये मेरे लिए वास्तव में एक अनोखी खुशी थी। मैंने इसे यश के पहले वेंचर, एक निर्माता के रूप में उनकी पहली फिल्म का हिस्सा बनने के लिए एक बड़ी प्रशंसा और सम्मान के रूप में देखा था। मैं बहुत रोमांचित थी। शर्मिला ने आगे कहा, दाग में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव था। सच में यश के साथ काम करना - यहां तक कि मैंने उनके साथ वक्त में भी काम किया था तब भी मेरे लिए यह एक अद्भुत अनुभव था। वह हमेशा मस्ती करते थे। एक निर्देशक के रूप में उन्होंने सेट पर सभी को उत्साहित किया। उनके साथ काम करने वाले किसी भी व्यक्ति से पूछिए, अपने पंजाबी प्रेम के साथ और सामान्यता वह एक जीवित तार की तरह थे। जब हम दाग के लिए काम कर रहे थे तो हमने बहुत सी खूबसूरत लोकेशन में शूटिंग की थी। हम एक दिन शिमला में शूटिंग कर रहे थे और मेरी नींद खुली तो मुझे बर्फ से ढका हुआ परिदृश्य दिखाई दिया; मेरे होटल की खिड़की से एक आश्चर्यजनक दृश्य लेकिन इसका यह भी मतलब था कि मुझे काम पर जाने के लिए चलना पड़ेगा क्योंकि कोई कार बर्फ के जरिए हमारे पास नहीं आ सकती थी; मुझे याद है कि मैं बालों का सही करके तैयार हो गई थी और बमुश्किल 5 कदम ही चली थी जब किसी चीज़ ने मुझे सच में बहुत ज़ोर से मारा था और वह एक स्नोबॉल था।

दलेर मेहंदी ने 'कोयलिया' में ठुमरी और हिप हॉप के जरिये भावपूर्ण प्रेम गाथा का अनावरण किया

स्पेशल डांस नंबरों के लिए अपने प्रशंसकों में काफी लोकप्रिय दलेर मेहंदी एक बार फिर नया सिंगल सांग कोयलिया' लेकर आए हैं। इस अनूठी पेशकश में दलेर मेहंदी ने ठुमरी और हिप हॉप ट्रैप को अपने अंदाज में मिक्स किया है, जो संगीतकार के रूप में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। दरअसल, कोयलिया' एक प्रेम गाथा है जो दिल टूटने की भावनाओं को उजागर करती है, पंजाबी में इसके बोल खोए हुए प्यार की कसक और याद को व्यक्त करते हैं। गीत का पंजाबी शीर्षक रोन्नी ए तेनु याद करके' का हिंदी अनुवाद है- मैं तुम्हें याद करके रोता हूं।' दलेर मेहंदी और ब्रिटेन के प्रतिभाशाली कलाकार और गायक एनएस चौहान द्वारा सह-लिखित, गीत गुनगुनाने योग्य है। इसे अकेले में गुनगुनाया जा सकता है, जो मेहंदी की संगीत क्षमता को प्रदर्शित करती है। मेहंदी के सिग्नेचर डांस नंबर्स से अलग, कोयलिया एक आसान-सुनने वाला लाउंज ट्रैक है, जो आधुनिक हिप हॉप और ट्रैप बीट्स के साथ पारंपरिक भारतीय धुनों को एक लय में लाता है। गीत मेहंदी की सामान्य शैली में एक बदलाव का वादा करता है, जो उनकी बहुमुखी प्रतिभा और विभिन्न शैलियों के साथ प्रयोग करने की इच्छाशक्ति को प्रदर्शित करता है। कोयलिया में वायलिन पर छेड़ा गया सुर एक अलग अंदाज में गाने के ट्रैक को भव्यता प्रदान करता है और लोगों से सीधे जोड़ता है। यहां दलेर मेहंदी अपनी स्पेशल एनर्जी के साथ, मैं तेरी' शब्दांश से जब प्ले करते हैं, तो श्रोताओं के मन में एक अलग ही तरंग उठती है और स्पेशल दलेर मेहंदी की छाप उनके हृदय में पड़ जाती है।

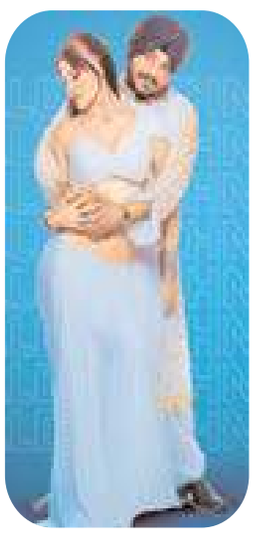

ऐश्वर्या राय बच्चन की वो गलतियां जिसने उनके कॅरियर को पीछे धकेल दिया

ऐश्वर्या राय बच्चन ने मणिरत्नम की इरुवर से ही एक प्रतिभाशाली कलाकार के रूप में अपनी प्रतिभा साबित की है। दो दशक से भी अधिक समय के बाद, अभिनेत्री ने पोन्नियिन सेलवन 1 और 2 के लिए अपने प्रिय मणि गारू के साथ काम किया। और वह एक बार फिर चर्चा में है! ऐश्वर्या का स्टारडम और सफलता बॉलीवुड में अतुलनीय है। अभिनेत्री ने 2000 के दशक में फिल्म उद्योग पर राज किया। उन्होंने समान रुप में फ्लॉप और हाई का स्वाद चखा है, ऐसी कई परियोजनाएँ हैं जिन्हें अभिनेत्री ने अस्वीकार कर दिया, जो ब्लॉकबस्टर बन गईं! आइये आपको बताते हैं वो कौन सी फिल्में थी जिसे ऐश्वर्या राय ने रिजेक्ट किया और वह सुपरहिट हो गयी।

राजा हिन्दुस्तानी

करिश्मा कपूर और आमिर खान की राजा हिंदुस्तानी 1996 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर में से एक थी। हिंदी सिनेमा को दो सितारों के साथ एक क्लासिक जोड़ी मिली। बहुत से लोग नहीं जानते लेकिन ऐश्वर्या को पहले फिल्म में एक भूमिका की पेशकश की गई थी। अभिनेत्री कथित तौर पर फिल्म का हिस्सा नहीं बन सकीं क्योंकि उन्हें मिस वर्ल्ड पेजेंट में भाग लेना था।

कहो ना प्यार है

ऋतिक रोशन और अमीषा पटेल दोनों ने 2000 की ब्लॉकबस्टर कहो ना प्यार है के साथ बॉलीवुड में काफी नाम कमाया। हालाँकि, प्रमुख महिला की भूमिका पहले ऐश्वर्या के पास गई। दुर्भाग्य से अभिनेत्री तारीख के मुद्दों के कारण इस परियोजना का हिस्सा नहीं बन सकीं।

कभी खुशी कभी ग़म

हमने हमेशा शाहरुख खान और काजोल की केमिस्ट्री को पसंद किया है और हमें करण जौहर की ब्लॉकबस्टर ड्रामा, कभी खुशी कभी गम में ये फिर से देखने को मिला लेकिन इससे पहले आपको देवदास की जोड़ी फिर से दिखाई देने वाली थी। क्योंकि फिल्म को एश्वर्या राय को ऑफर किया गया था। मेकर्स पहले ऐश्वर्या को अंजलि के रोल में लेना चाहते थे। अभिनेत्री के टाइट शेड्यूल के कारण यह काम नहीं कर पाया। वही बाद में काजोल के पास गया, और बाकी, जैसा कि हम कहते हैं, ये फिल्म इतिहास है!

मुन्ना भाई एमबीबीएस

राजकुमार हिरानी की मुन्ना भाई एमबीबीएस में मुन्ना भाई और सर्किट श्योर आकर्षण के केंद्र थे। लेकिन मानें या न मानें, इसमें डॉ सुमन के बिना कोई मुन्ना भाई नहीं हो सकता! ग्रेसी सिंह द्वारा अभिनीत, कॉमेडी-ड्रामा पहले ऐश्वर्या को ऑफर की गई थी। कथित तौर पर, संजय दत्त के अशांत चरण के कारण अभिनेत्री ने इसे ठुकरा दिया।

भूल भुलैया

फिल्म को अक्षय कुमार और विद्या बालन की बेहतरीन कृतियों में से एक होना चाहिए। अवनी/मंजुलिका जैसे जटिल किरदार को निभाना आसान नहीं है लेकिन विद्या ने इसे बखूबी निभाया और कैसे! बताया जा रहा है कि विद्या से पहले यह फिल्म ऐश्वर्या के पास गई थी। हालाँकि, वह अज्ञात कारणों से इस परियोजना को नहीं ले सकी। यह फिल्म 2007 की शीर्ष ग्रॉसर बन गई।

बाजीराव मस्तानी

संजय लीला भंसाली और ऐश्वर्या राय बच्चन ने एक साथ काम किया है और अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक हम दिल दे चुके सनम दी है।
एसएलबी बाजीराव मस्तानी के लिए सलमान खान और ऐश्वर्या को कास्ट करना चाहता था, हालांकि, यह जोड़ी काम नहीं कर सकी। सालों बाद, रणवीर सिंह, दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा के साथ मुख्य भूमिकाओं में फिल्म बनाई गई।
और यह भंसाली की एक और ब्लॉकबस्टर परियोजना बन गई।

वास्तुकला संस्थानों का दौरा करने का सबसे अच्छा समय

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

अप्रैल के महीने में अधिकांश आर्किटेक्चर संस्थानों में डिजाइन शोध निबंध के पाठ्यक्रम के लिए अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षा होती है। डिजाइन शोध प्रबंध का कोर्स आर्किटेक्चर की पेशेवर बनने की पांच साल की यात्रा के अंत को चिह्नित करता है। थीसिस विषयों को छात्रों द्वारा उनके सेमेस्टर 9 में चुना जाता है और फिर अंतिम सेमेस्टर में डिजाइन प्रस्तावों के रूप में पूरा किया जाता है।

परियोजना प्रस्ताव छात्रों द्वारा उनके सलाहकारों के साथ चर्चा के आसपास वर्ष की समाप्ति के रूप में तैयार किए जाते हैं। थीसिस के विषय सामाजिक या पर्यावरण संबंधी चिंताओं, प्रौद्योगिकी, नवाचार और प्रयोगात्मक पर आधारित हैं। मुंबई विश्वविद्यालय के अंतिम वर्ष के लिए उपस्थित होने वाले छात्र सेमेस्टर 9 में एक शोध दस्तावेज के रूप में अपने अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट तैयार करते हैं और निर्माण और उन्नत सेवाओं के तकनीकी पहलुओं को कवर करते हुए अंतिम थीसिस ड्राइंग और वास्तुशिल्प विवरण के साथ इसका पालन करते हैं।

छात्र कार्यक्रम के संदर्भ और परियोजना की आवश्यकता के आधार पर 1 -6 हेक्टेयर से लेकर परियोजनाओं पर काम करते हैं। परियोजना का काम विस्तृत मॉडल के साथ समर्थित है जो पूरे डिजाइन प्रस्ताव का सार कैप्चर करता है। परियोजना शीर्षक में जनजातीय महिलाओं के मुद्दों, आजीविका आवश्यकताओं, प्राकृतिक और विरासत परिसर की सुरक्षा और चिंता के समान क्षेत्रों को संबोधित करना शामिल है।

कार्यों का मूल्यांकन विचारों की पूर्णता और व्यावहारिकता के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं की एक टीम द्वारा किया जाता है। छात्र को डिजाइन समझाने के लिए लगभग 25-30 मिनट दिए जाते हैं और बाद में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा परियोजना के पीछे विस्तृत जानकारी हासिल करने के लिए प्रश्न पूछे जाते हैं। कई संस्थान अपवाद के चुनिंदा कार्यों को भविष्य के संदर्भ के लिए पुस्तकालय के अभिलेखागार में दर्ज करते हैं। छात्रों के कार्यों को अक्सर आगंतुकों के लिए एक प्रदर्शनी के रूप में खुला रखा जाता है ताकि इन नवोदित पेशेवरों को स्थापित करने के लिए नवीन दिशाओं पर अंतर्दृष्टि प्राप्त हो सके।

श्रीलंका में भारतीय सिनेमा पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

श्री लंका के राज्य मंत्री अरुंडिका फर्नांडो एवं भारतीय उप उच्चायुक्त विनोद जेकब ने किया उद्घाटन

सीताराम मेवाती

कोलंबो में स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केंद्र में भारतीय सिनेमा पर एक कार्यशाला का 28 अप्रैल 2023 उद्घाटन किया गया. इस कार्यशाला में श्रीलंका के राज्य मंत्री अरुंडिका फर्नांडो, उपस्थित रहे. भारत के उप उच्चायुक्त श्री विनोद के जैकब ने उद्घाटन में भाग लिया. कन्नड़ सिनेमा के अत्यधिक अलंकृत निर्देशक, अभिनेता, पटकथा लेखक और गीतकार डॉ. नागथिहल्ली चंद्रशेखरन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल का कार्यशाला में स्वागत किया.

इस अवसर पर बोलते हुए, उप उच्चायुक्त ने कहा, "ऐसे समय में जब भारत और श्रीलंका राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष मना रहे हैं, यह वास्तव में सही समय है कि हम इस कार्यशाला का आयोजन कर रहे हैं." यह कामना करते हुए कि कार्यशाला लोगों के बीच संबंधों को गहरा करने में योगदान देगी, उन्होंने अपने भाषण के दौरान छह मुख्य टिप्पणियों पर प्रकाश डाला.

भारत में हर साल 2000 से ज्यादा फिल्में बनती हैं। 2011 में, बेचे गए सिनेमा टिकटों की कुल संख्या 3.5 बिलियन थी। भारतीय सिनेमा का इतिहास एक शतक से भी ज्यादा पुराना है। दादा साहेब फाल्के थे, उन्हें भारतीय सिनेमा के पिता के रूप में जाना जाता है, उन्होंने भारत को 3 मई 1913 को राजा हरिश्चंद्र नामक पहली पूर्ण लंबाई वाली मूक फीचर फिल्म बनाई थी. इस लंबी यात्रा के माध्यम से, भारतीय सिनेमा ने भारतीय समाज को समृद्ध किया है. भारतीय फिल्मों ने राष्ट्रवाद, महिलाओं और बच्चों के अधिकार, जाति, धर्म, वर्ग और इसी तरह के मुद्दों को उठाया है.

दूसरा, भारतीय सिनेमा के एक शतक से ज्यादा पुराने सफर को देखते हुए और हमने कोविड 19 की पाबंदियों का कैसे जवाब दिया, कुछ दिलचस्प रुझान हैं। तथ्य यह है कि आरआरआर के नातु नातु ने नवीनतम अकादमी पुरस्कारों में

सर्वश्रेष्ठ मूल ट्रैक जीता है, यह भारतीय सिनेमा की नवाचार करने की क्षमता का प्रमाण है. एक रिपोर्ट के मुताबिक अनुमान लगाया गया था कि महामारी से पहले के स्तरों की तुलना में हिंदी रंगमंच का ब्रह्मांड 21.5 प्रतिशत तक सिकुड़ गया है। इसके विपरीत, अधिकांश दक्षिण भारतीय भाषाओं ने स्थिरता या विकास दिखाया है, जिसमें कन्नड़ को सबसे अधिक 25%, 1.16 करोड़ से 1.45 करोड़ प्राप्त हुआ है।

तीसरा, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि व्यावसायिक सफलता भारतीय सिनेमा की प्रगति का एक अनिवार्य तत्व है। इस संबंध में सबसे शुरुआती उदाहरणों में 1951 की फिल्म आवारा की सफलता है, जिसने संग्रह के मामले में एक रिकॉर्ड बनाया था, जो 1952 में ही फिल्म आन के संग्रह से आगे निकल गई थी। इस साल फिल्म पठान ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। हालांकि, इससे संबंधित रचनात्मक सामग्री के संदर्भ में सफलता का पहलू है जिसे केवल संग्रह द्वारा नहीं मापा जा सकता है। वाणिज्यिक और रचनात्मक इन दो पहलुओं का अनुसरण बड़े पैमाने पर दर्शकों पर निर्भर करता है।

चौथा, कन्नड़ सिनेमा ने 1930 के दशक में पहली बोलती फिल्म सती सुलोचना के बाद से एक लंबा सफर तय किया है. इसका उत्पादन विपुल रहा और भारतीय सिनेमा और वास्तव में भारतीय समाज की जीवन शक्ति में योगदान दिया है। केजीएफ सीरीज हर किसी के दिमाग में ताजा है लेकिन कार्यशाला कन्नड़ सिनेमा की बहुमुखी प्रतिभा के बारे में शिक्षित करेगी।

पाँचवाँ, भारतीय सिनेमा को सक्षम बनाने वाला पारिस्थितिकी तंत्र भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से प्रवाहित होता है जो भारतीय संविधान में एक मौलिक अधिकार है। 1952 का सिनेमैटोग्राफ अधिनियम इस संबंध में कानून का मुख्य भाग है। जैसा कि किसी भी अन्य क्षेत्राधिकार में सामान्य है, ऐसी संरचनाएं और तंत्र हैं जो डिजिटल पायरेसी सहित सेंसरशिप, कॉपीराइट और पाइरेसी को नियंत्रित करते हैं।

अंत में, भारत सरकार और जनता श्रीलंका के लोगों के साथ खड़ी है और 4 बिलियन अमरीकी डालर का समर्थन किया है। यह सरकार की 'पड़ोसी पहले' नीति के अनुरूप है। यह महत्वपूर्ण है कि श्रीलंकाई मित्र इस बात की सराहना करें कि ऐसी नीति तभी सफल हो सकती है जो भारत के लोग इन पहलों का समर्थन करें। भारतीय लोग श्रीलंका के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।

पैसे लेकर फ्लैट न देने के मामले में बिल्डर गिरफ्तार

मुंबई : आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने निर्मल लाइफस्टाइल के बिल्डरों को धोखाधड़ी करने के मामले में गिरफ्तार (arrested) किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपी बिल्डरों का नाम धर्मेश जैन (Dharmesh Jain) और राजीव जैन (Rajeev Jain) है। फ्लैट के पैसे लेकर उन्हें फ्लैट न देने का आरोप उनपर है।

यह पूरा मामला 2022 में सामने आया जब शिकायतकर्ता मुलुंड पुलिस थाने पहुंचे और बिल्डर के खिलाफ दर्ज करवाया। मामले में आरोपी बिल्डरों ओर संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया गया। जानकारी के मुताबिक 34 लोगों ने घर खरीदने के लिए निर्मल लाइफस्टाइल नामक बिल्डर को पैसे दिए। 2011 में शिकायतकर्ता ने फ्लैट खरीदने के लिए पैसे दिए थे। उन्हें कहा गया था कि 2017 तक फ्लैट उन्हें हैंड ओवर कर दिया जाएगा। लेकिन बार बार समय दिया जाता था और फ्लैट धारकों को फ्लैट नहीं दिया गया। इसके बाद शिकायतकर्ता पुलिस थाने में पहुंच गए और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाया। चूंकि यह पूरा मामला लैंड से जुड़ा हुआ था और पैसों का लेनदेन भी ज्यादा हुआ था इसलिए मामले को आर्थिक अपराध शाखा को ट्रांसफर कर दिया गया। जिसके बाद अपराध शाखा ने जांच की और छानबीन कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेह किया गया जहां से 3 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि अबतक जो 34 शिकायतकर्ता सामने आए हैं। जिसके आधार पर जांच की जा रही है।

निखिल कोठा नियुक्त हुए वेस्टिन मुंबई पवई लेक के कैटरिंग सेल्स निदेशक: अपने साथ लाये हैं एक दशकीय अनुभव

सीताराम मेवाती

हॉस्पिटैलिटी उद्योग के अनुभवी और तेज तर्रार निखिल कोठा की हाल ही में द वेस्टिन मुंबई पवई लेक और लेकसाइड शैलेट, मुंबई - मैरियट एक्जीक्यूटिव अपार्टमेंट्स कैटरिंग सेल्स के निदेशक के रूप में नियुक्ति हुई है. निखिल के पास होटल इंडस्ट्री का एक दशकीय अनुभव है. द वेस्टिन मुंबई पवई लेक, मुंबई का एकमात्र होटल है जो मुंबई की प्रसिद्ध पवई झील के किनारे बसा है जो अतिथियों को मनमोहक दृश्य पेश करता है. निखिल कोठा ने अपना नया पदभार संभालने के पूर्व देश की नामी गिरामी होटल समूह में काम करने का अनुभव है. जिन होटलों में निखिल ने अनुभव प्राप्त किया है इसमें पार्क हयात, आईटीसी काकटीया, मैरियट होटल्स समूह और लोढ़ा ग्रुप इत्यादि शामिल हैं.

निखिल कोठा अपनी नई भूमिका में, खानपान बिक्री संचालन की देखरेख करने और सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि होटल के बजट सभी खंडों में पूरे हों। वह बिक्री और सेवा कार्यक्रमों को विकसित करने और नियंत्रित करने के लिए योजना बनाने स्टाफिंग, प्रशिक्षण और प्रदर्शन मूल्यांकन में टीम का नेतृत्व करेंगे। निखिल अपने पिछले और भविष्य के रुझानों के आधार पर टीम के लिए मासिक बजट का लक्ष्य भी निर्धारित करेंगे और सुनिश्चित करेंगे की यह लक्ष्य निर्धारित समय पर पूर्ण हो. निखिल विगत दस वर्षों में कई महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिनमें क्लाइंट रिलेशनशिप मैनेजमेंट, की अकाउंट मैनेजमेंट और कॉन्ट्रैक्ट नेगोशिएशन इत्यादि शामिल हैं. अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने असाधारण संचार कौशल और ऊपरी प्रबंधन और प्रमुख कॉर्पोरेट निर्णय निर्माताओं के साथ संबंध बनाने और बनाए रखने की क्षमता का प्रदर्शन किया है. इसी प्रकार से अब उनका प्रयास रहेगा की वो अपने नए पद पर रहते हुए द वेस्टिन मुंबई पवई लेक को एक नयी दिशा में अग्रसर करें. निखिल ने एक मान्यता प्राप्त रचनात्मक और व्यावहारिक समस्या समाधानकर्ता के रूप में तेज-तर्रार और उच्च-मात्रा सेटिंग्स में कई कार्यों को प्रबंधित किया है. द वेस्टिन मुंबई पवई लेक और लेकसाइड शैलेट, मुंबई - मैरियट एग्जीक्यूटिव अपार्टमेंट्स के महाप्रबंधक हेमंत टेनेटी ने निखिल कोठा की नियुक्ति पर हर्ष जताते हुए कहा कि "निखिल को हमारी टीम में शामिल होने पर उनका स्वागत करते हुए हमें खुशी है. उनके समृद्ध अनुभव और असाधारण संचार कौशल ने उन्हें इस भूमिका के लिए एकदम उपयुक्त निदेशक बना दिया है। मेरे साथ होटल की सारी टीम उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं. मुझे आशा है की हम अपने मेहमानों को असाधारण सेवा और अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करने के लिए सदा प्रयत्नशील व सतत जारी रखेंगे".

जेडब्ल्यू मैरियट सहार होटल में होगा श्री लंकाई फूड फेस्टिवल: कुआलालंपुर के मशहूर रेस्तरां आलिया के साथ मिल कर हो रहा है आयोजन

सीताराम मेवाती

मुंबई निवासी जो श्री लंका के व्यंजन खाने के शौक़ीन हैं उनके लिए है ख़ुश ख़बर. मुंबई एयरपोर्ट स्थित जेडब्ल्यू मैरियट सहार होटल में दो दिवसीय विशेष श्री लंका के व्यंजनों का आयोजन किया है. यहाँ पर ख्याति प्राप्त पुरस्कार विजेता रेस्तरां आलिया जो की श्रीलंकाई व्यंजनों के लिए मशहूर है वहां के विशेष व्यंजन यहाँ पर परोसे जाएंगे. श्रीलंकाई भोज 5 और 6 मई, 2023 को आयोजित किया जायेगा.

ज़ात हो की "आलिया आइलैंड रेस्तरां एवं बार" मलेशियाई राजधानी, कुआलालंपुर में स्थित है. यह रेस्तरां अपने मेहमानों को पूर्ण और प्रामाणिक श्रीलंकाई भोजन अनुभव प्रदान करने के लिए मशहूर है. इस रेस्तरां को इसकी पाक उत्कृष्टता के लिए मान्यता दी गई है और मिशेलिन बिब गौरमांड गाइड में भी उल्लेखित किया गया है. यह गाइड भोजन के बारे में विश्वप्रसिद्ध है जो गुणवत्ता और रचनात्मकता पर ध्यान देने के साथ असाधारण रेस्तरां की विशेषता को उजागर करती है. शेफ

डेन फर्नांडिस, जेडब्ल्यू मैरियट मुंबई सहार के एग्जीक्यूटिव शेफ के साथ आलिया रेस्तरां के हेड शेफ शिवा ने मिल कर यहाँ का मेनू तैयार किया है जिसमें श्रीलंका के कुछ सबसे विविध और विशाल डिशें सम्मिलित की गई हैं. शेफ डेन फर्नांडिस ने इस फ़ूड फेस्टिवल के बारे में कहा कि "आलिया रेस्तरां के सहयोग से हमारा उद्देश्य लोगों को एक साथ लाना और भोजन के प्रति अपने प्यार की खोज करना है।

जब हम अपने भोजन और व्यंजनों को साझा करते हैं, तो हम न केवल अपनी संस्कृति और विरासत को साझा करते हैं, बल्कि अपनी कहानियों, यादों और अनुभवों को भी साझा करते हैं। श्रीलंकाई प्रवास श्रीलंकाई सामग्री और व्यंजनों की समृद्धि का उत्सव है. शेफ डेन और शेफ शिवा ने मिल कर बनाये गए बेहतरीन सामग्री के साथ सावधानी से सटीक और जुनून के साथ तैयार किए गए भोज में प्रसन्नता की श्रृंखला में अवश्य शामिल हों. यहाँ के मेनू कई विशिष्ट डिशें पिरस्श्जेंतुत की गई हैं जिनमे यारल मटन वरुवल, प्रॉन पोरियाल, वलियाकाई, ड्रमस्टिक सोथी, बीटरूट पेराटल, गोटुकोला, स्ट्रिंग हॉपर, करुवप्पिलाई राइस, एगप्लांट थियाल, मुरुंगकाई पर्टा इत्यादि शामिल की गई हैं.

भोजन के बाद मिठाई में पायसम, वट्टालपम और स्वीट अप्पम जैसे डेसर्ट इस सिग्नेचर व्यंजन में शामिल होंगे। आइये और श्रीलंका की समृद्ध संस्कृति और भोज का आनंद लें. इस दो दिवसीय समारोह में प्रामाणिक सामग्री और पारंपरिक खाना पकाने की तकनीक का उपयोग करके किसी अन्य की तरह गैस्ट्रोनॉमी अनुभव बनाने के लिए लंका के सर्वश्रेष्ठ स्वादों का प्रदर्शन करेगा. आपको मौका है की इसका लुत्फ़ अवश्य लें.

चीन के शीर्ष मीडिया हाउस सीसीटीवी प्लस और भारत के मुंबई मैसेंजर ने वैश्विक दर्शकों तक पहुंचने के लिए कंटेंट शेयरिंग साझेदारी की घोषणा की

प्रसार भारती के बाद बना दूसरा अखबार जो जुड़ा चीन की प्रमुख न्यूज एजेंसी से

सीताराम मेवाती

मुंबई से प्रकाशित होने वाले अंग्रेजी अख़बार मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर ने एक नया मक़ाम हासिल किया है. मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर ने चीन के सबसे बड़े न्यूज़ एजेंसी सीसीटीवी + के साथ जुड़ कर दोनों देशों के समाचार आदान प्रदान के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किये. इस अनुबंध के तहत मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर और सीसीटीवी + न्यूज़ एजेंसी एक दुसरे देश के प्रमुख समाचार का आदान प्रदान कर सकेंगे. यह अनुबंध एक साल के लिए किया गया है. मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर के प्रधान संपादक सीताराम मेवाती और

सीसीटीवी + न्यूज़ एजेंसी के मैनेजिंग डायरेक्टर और प्रधान संपादक श्री गाओ वी ने चैनल के बीजिंग स्थित मुख्यालय में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किये गए. अनुबंध के समय सीसीटीवी + न्यूज़ एजेंसी की डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर ली जिया और मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव जोली और अन्य अधिकारी वर्ग भी उपस्थिती में चैनल के मुख्यालय की आठवी मंजिल पर किया गया. हस्ताक्षर समारोह को न्यूज़ एजेंसी के कांफ्रेंस रूम में विशाल स्क्रीन पर मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर के लोगो भी बना हुआ था और स्क्रीन पर लिखा हुआ था "हस्ताक्षर समारोह".

इस अनुबंध के हस्ताक्षर के पश्चात दोनों मीडिया के समाचार आदान प्रदान में सहूलियत होगी और दोनों देशों को विशेष समाचार लोगों तक शीघ्रता से पहुंच पाएंगे. भारत के किसी भी हिस्से के विशेष समाचार जो की देश की प्रगति या कुछ अलग हटके होंगे वो इस एजेंसी के सभी चैनलों पर प्रसारित किये जायेंगे.

ज़ात हो की सीसीटीवी + (सीसीटीवी वीडियो न्यूज़ एजेंसी) संगठनात्मक ढांचे के भीतर चीन में मुख्य वीडियो समाचार एजेंसी हैं. इस एजेंसी में विश्व के 149 देशों और अलग अलग क्षेत्रों से 640 से अधिक मीडिया आउटलेट जुड़े हुए हैं. कई देशों की समाचार एजेंसीयां, न्यूज़ चैनल और अख़बार इत्यादि इससे जुड़े हुए हैं. इस न्यूज़ एजेंसी में भारत से सिर्फ प्रसार भारती और मुंबई मैसेंजर न्यूज़ पेपर ही सम्मिलित हैं जो की एक गर्व की बात है. हालांकि चाइना में भारत के कई प्रमुख अख़बार और न्यूज़ चैनल के संवाददाता मौजूद हैं लेकिन वो इस एजेंसी से अब तक जुड़ नहीं पाए हैं. यह न्यूज़ एजेंसी चाइना मीडिया ग्रुप यानि सीएमजी सन 2010 में स्थापित हुई थी. आगे चल कर सन २०१८ में सीसीटीवी, सीजीटीएन, सीएनआर और सीआरआई के विलय से स्थापित हुई है.

लता मंगेशकर स्टूडियो में हिंदी फिल्म "द लाइफ" का म्यूजिकल मुहूर्त

निमार्ता सुधीर पाटिल और गौरव पाल की इस फिल्म में आयुष पाटिल, शाहबाज खान, रिया कपूर, जावेद हैदर जैसे कलाकार नजर आयेंगे, मोहम्मद सलामत की आवाज में गीत रिकॉर्ड

मुंबई में स्थित लता मंगेश्कर स्टूडियो में निर्माता सुधीर पाटिल और गौरव पाल की हिंदी फिल्म "द लाइफ" का म्यूज़िकल मुहूर्त किया गया। संगीतकार अफ़रोज़ खान ने 'हम दिल दे चुके सनम' फेम सिंगर मोहम्मद सलामत की आवाज में एक प्यारा सा गीत रिकॉर्ड किया। दीपाली प्रोडक्शन और सूर्यवंशी फिल्म्स प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई जा रही है। इस फिल्म में आयुष पाटिल हीरो होंगे जबकि फ़िल्म में शाहबाज खान, रिया कपूर, मुस्कान सय्यद,निर्भय वाधवा, दीपाली सैनी और जावेद हैदर जैसे कलाकार भी नजर आयेंगे।इस फिल्म के संगीतकार अफ़रोज़ खान का कहना है कि इस फिल्म की कहानी बहुत अनोखी है, इसका सब्जेक्ट दर्शकों के दिलों को छू लेगा। फिल्म की कहानी में काफी टर्न और ट्विस्ट हैं जो ऑडिएंस को दिलचस्प लगेगा। आज हमने मोहम्मद सलामत की आवाज़ में एक बहुत ही खूबसूरत गीत रिकॉर्ड किया है और इस तरह से इस फ़िल्म का मुहूर्त हो गया है। जल्द ही यह फ़िल्म फ्लोर पर जाएगी।नायक आयुष पाटिल इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने यहां कहा कि द लाइफ ज़िंदगी को एक अलग नज़रिए से देखने की कहानी दर्शाती है। इसमे मेरा किरदार काफी चैलेंजिंग है और मैं काफी एक्साइटेड हूँ कि मुझे शाहबाज खान और जावेद हैदर जैसे मंझे हुए अदाकारों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। फ़िल्म का जो गाना रिकॉर्ड किया गया है, वह इस की कहानी को आगे बढ़ाता है और काफी अच्छी कम्पोज़िशन है।बता दें कि इस गाने के गीतकार अहमद सिद्दीकी, लेखक मोहम्मद सलीम हैं। फ़िल्म की प्रेस कॉन्फ्रेंस के अवसर पर निर्माता सुधीर पाटिल ने बताया कि द लाइफ की स्टोरीलाइन मुझे काफी आकर्षित लगी, इस वजह से हमने इसे प्रोड्यूस करने का निर्णय लिया। इसको हम भव्य रूप से शूट करेंगे और दर्शकों के हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए एंटरटेनमेंट का पूरा पैकेज होगा।फ़िल्म के प्रोड्यूसर गौरव पाल ने बताया कि द लाइफ अपने आप मे एक बेहतरीन टाइटल है और इस के नाम का कहानी से बड़ा गहरा संबंध है। मुझे निर्देशक पर काफी विश्वास है कि वह एक अच्छा सिनेमा बनाएंगे क्योंकि वह टेक्निकली काफी स्ट्रांग निर्देशक हैं। आयुष पाटिल के लिए यह रोल काफी महत्वपूर्ण है। शाहबाज खान, जावेद हैदर ने फ़िल्म के निर्माता निर्देशक को शुभकामनाएं दीं और कहा कि मैं मोहम्मद सलामत की आवाज़ में गीत की रिकॉर्डिंग के समय मौजूद था। यह गाना वाकई बहुत ही सुंदर और मेलोडियस है जिसे अफरोज खान ने बड़ी शिद्दत से संगीतबद्ध किया है।

मल्लिकार्जुन खरगे के बयान से BJP इतनी आहत क्यों? संजय राउत का तंज!

मल्लिकार्जुन खरगे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं. कर्नाटक के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने जो बयान दिया है, उससे बीजेपी इतनी आहत क्यों है? हिंदू धर्म में तो सांपों को पूजा जाता है. नागराज कहा जाता है. उन्हें देव समझा जाता है. सांपों को किसानों का मित्र भी कहा जाता है. उन्हें किसानों के खेतों का चौकीदार भी कहा जाता है. इन शब्दों में ठाकरे गुट के सांसद संजय राउत ने आज मल्लिकार्जुन खरगे को डिफेंड किया है.

संजय राउत ने कहा कि हालांकि मुझे मालूम नहीं है कि उन्होंने यह बात किस कॉन्टेक्स्ट में कही है. लेकिन जहां तक मुझे मालूम है कि बयान के बाद मल्लिकार्जुन खरगे की सफाई भी सामने आ गई है. उन्होंने कहा है कि उनका बयान निजी तौर से पीएम नरेंद्र मोदी के लिए नहीं था, बीजेपी पार्टी के लिए था. मुझे तो लगता है खरगे जी ने यह कह कर उन्हें गौरवान्वित किया है.

'एकनाथ शिंदे बने हैं बोझ, यह BJP पर निर्भर कि वो कब तक उसे ढोए' संजय राउत ने महाराष्ट्र की राजनीति पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एकनाथ शिंदे और उनकी टीम आज बीजेपी पर बोझ बन चुके हैं.

अब यह बीजेपी की अंदरुनी समस्या है कि वो इस बोझ को कब तक उठाती है. संजय राउत ने यहां तक कह दिया कि जनता गद्दारों को जूते मारेगी. इसके जवाब में बीजेपी विधायक नितेश राणे ने कहा कि, 'जहां तक मुझे मालूम है, उद्धव ठाकरे महाविकास आघाड़ी पर बोझ बन गए हैं.

1 मई को जो एमवीए की मुंबई में संयुक्त वज्रमूठ सभा होने जा रही है, वो आखिरी वज्रमूठ सभा होगी. इसके बाद महाविकास आघाड़ी की कोई संयुक्त सभा नहीं होगी.'

संजय राउत ने आज देवेंद्र फडणवीस की तारीफ करके सबको चौंका दिया और शरद पवार पर कटाक्ष कर दिया.

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।